CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-251
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, सोमवार 16 दिसम्बर 2024

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

आज का विचार

जिसके पास बुद्धि है, बल उसी के पास है।

अनशन कर रहे किसान नेता डल्लेवाल से मिलने खनौरी बॉर्डर पहुंचीं विनेश फोगाट

चंडीगढ़। 20 दिन से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल से मिलने के लिए आज पहलवान व कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट रविवार को खनौरी बॉर्डर पहुंचीं। विनेश ने इस दौरान किसानों पर हो रहे जुल्म को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। किसानों को दिल्ली जाने से रोकने पर फोगाट ने कहा कि किसानों की तीसरा प्रयास सरकार ने अपने जुल्म से नाकाम कर दिया। 101 किसानों के जत्थे को दिल्ली जाने से रोकने के लिए उन पर आंसू गैस और पानी की बौछारें छोड़ी गईं। यह कायरता वाला काम है। देश में इमरजेंसी जैसा माहौल है। किसान आज अपना हक मांग रहा है, जिसके लिए उन्हें लंबा संघर्ष करना पड़ रहा है। किसानों को एमएसपी नहीं मिल रहा है। सरकारों ने कान बंद कर दिए हैं। प्रधानमंत्री जानबूझकर कर किसानों की उपेक्षा कर रहे हैं। फोगाट ने कहा कि पीएम मोदी बहुत बड़े-बड़े भाषण देते हैं। कल भी उन्होंने संसद में भाषण दिया था, लेकिन अब भाषण देने के अलावा भी कुछ करना होगा। हम जितने लोग हैं हमारी आवाज को सुना नहीं जा रहा है। हम सभी को यह दिखाने के लिए आगे आना होगा कि हम एकजुट हैं। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री ने अपने कान बंद कर दिए हैं। किसानों, मजदूरों को बचाना है तो इस आंदोलन में हर वर्ग के लोगों को शामिल होना पड़ेगा। किसान मजबूर हैं ऐसे में अपनी मांगों को लेकर कहां जाएं क्योंकि सरकारें सुनने को तैयार नहीं हैं।

ड्रग्स केस में दाऊद इब्राहिम के करीबी दानिश मर्चेंट को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस ने ड्रग ऑपरेशन मामले में गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के सहयोगी दानिश मर्चेंट उर्फ ??दानिश चिकना को गिरफ्तार किया है। मर्चेंट के सहयोगी कादर गुलाम शेख की भी गिरफ्तारी हुई है। दानिश मर्चेंट की डोंगरी में एक अवैध ड्रग यूनिट है जो दाऊद इब्राहिम से जुड़ी हुई है। पिछले महीने 2 व्यक्तियों (मोहम्मद आशिकुर सहीदुर रहमान और रेहान शकील अंसारी) की गिरफ्तारी हुई थी। इसके बाद से मर्चेंट की तलाश की जा रही थी। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले महीने 8 नवंबर को आरोपी अशिकुर को मरीन लाइन स्टेशन इलाके से अरेस्ट किया गया। उसके पास से 144 ग्राम ड्रग बरामद की गई। इसे लेकर पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने रेहान शकील से ड्रग्स खरीदी थी। इस पर ऐक्शन लेते हुए पुलिस ने तुरंत रेहान शकील को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 55 ग्राम ड्रग्स बरामद हुआ था। उसने बताया कि रहमान और उसके पास से मिले कुल 199 ग्राम ड्रग्स को दाऊद इब्राहिम के करीबी दानिश चिकना से खरीदा था। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने साल 2019 में डोंगरी में दाऊद इब्राहिम की ड्रग फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया था। इस दौरान करोड़ों रुपये का नशीला पदार्थ जब्त किया गया था। इसके बाद साल 2021 में दानिश मर्चेंट को राजस्थान से गिरफ्तार किया गया। जांच करने पर उसकी गाड़ी से भारी मात्रा में ड्रग्स मिला था। दानिश चिंकू पठान मॉड्यूल का हिस्सा रहा है। एनसीबी ने जब उसके ड्रग्स मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया तो वह राजस्थान भागने की फिराक में था।

अनशन कर रहे किसान नेता डल्लेवाल से मिलने खनौरी बॉर्डर पहुंचीं विनेश फोगाट

चंडीगढ़। 20 दिन से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल से मिलने के लिए आज पहलवान व कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट रविवार को खनौरी बॉर्डर पहुंचीं। विनेश ने इस दौरान किसानों पर हो रहे जुल्म को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। किसानों को दिल्ली जाने से रोकने पर फोगाट ने कहा कि किसानों की तीसरा प्रयास सरकार ने अपने जुल्म से नाकाम कर दिया। 101 किसानों के जत्थे को दिल्ली जाने से रोकने के लिए उन पर आंसू गैस और पानी की बौछारें छोड़ी गईं। यह कायरता वाला काम है। देश में इमरजेंसी जैसा माहौल है। किसान आज अपना हक मांग रहा है, जिसके लिए उन्हें लंबा संघर्ष करना पड़ रहा है। किसानों को एमएसपी नहीं मिल रहा है। सरकारों ने कान बंद कर दिए हैं। प्रधानमंत्री जानबूझकर कर किसानों की उपेक्षा कर रहे हैं। फोगाट ने कहा कि पीएम मोदी बहुत बड़े-बड़े भाषण देते हैं। कल भी उन्होंने संसद में भाषण दिया था, लेकिन अब भाषण देने के अलावा भी कुछ करना होगा। हम जितने लोग हैं हमारी आवाज को सुना नहीं जा रहा है। हम सभी को यह दिखाने के लिए आगे आना होगा कि हम एकजुट हैं। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री ने अपने कान बंद कर दिए हैं। किसानों, मजदूरों को बचाना है तो इस आंदोलन में हर वर्ग के लोगों को शामिल होना पड़ेगा। किसान मजबूर हैं ऐसे में अपनी मांगों को लेकर कहां जाएं क्योंकि सरकारें सुनने को तैयार नहीं हैं।

मप्र की सोलहवीं विधानसभा का चौथा सत्रः आर्थिक, सामाजिक और कानून से जुड़े विषयों पर चर्चा होने की संभावना, ...लेकिन कांग्रेस आक्रामक

गरमाएगा मप्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र

भोपाल। मध्यप्रदेश की सोलहवीं विधानसभा का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू होने जा रहा है। विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह के अनुसार, 16 दिसंबर से 20 दिसंबर तक चलने वाले इस शीतकालीन सत्र में कुल पांच बैठकें आयोजित की जाएंगी। अब तक विधानसभा सचिवालय को 888 तारांकित प्रश्न और 878 अतारांकित प्रश्न, कुल मिलाकर 1766 प्रश्न प्राप्त हो चुके हैं। इसके अलावा, ध्यानाकर्षण की 178, स्थगन प्रस्ताव की 01, अशासकीय संकल्प की 14 और शून्यकाल की 47 सूचनाएं भी प्राप्त हुई हैं। इस सत्र में 8 विधेयकों पर चर्चा भी की जाएगी। मध्यप्रदेश की सोलहवीं विधानसभा के इस चतुर्थ सत्र में महत्वपूर्ण मुद्दों पर आर्थिक, सामाजिक और कानून से जुड़े विषयों पर चर्चा होने की संभावना है। विपक्षी दल कांग्रेस राज्य विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान सरकार को घेरने की तैयारी में है। वह खाद की कमी और अडानी पावर द्वारा आदिवासी भूमि को कम दरों पर अधिग्रहित करने को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधेगी। ऐसे में बीजेपी और कांग्रेस विधायकों के बीच भिड़ंत देखने को मिल सकती है। कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि विधानसभा में सीहोर के कारोबारी दंपति की खुदकुशी का मुद्दा भी उठाया जाएगा। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने यह वादा किया था।

कांग्रेस ने की सत्र की समयसीमा बढ़ाने की मांग कांग्रेस ने विधानसभा अध्यक्ष से सत्र की समयसीमा बढ़ाने की मांग की है। कांग्रेस सत्र में सरकार को बिगड़ती कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार, खाद- बीज का संकट, रोजगार को लेकर घेरने की तैयारी की है। वहीं, सरकार ने भी कांग्रेस के आरोपों को लेकर जवाब देने की पूरी तैयारी कर रखी है। 16 दिसंबर को कांग्रेस भोपाल में बड़ा प्रदर्शन कर रही है। जवाहर चौक से पैदल रैली निकालते हुए विधानसभा का घेराव किया जाएगा। आंदोलन में कांग्रेस विधायक समर्थकों के साथ मौजूद रहेंगे। उमंग सिंघार ने कहा कि सरकार एक साल का कार्यकाल पूरा होने पर जश्न मना रही है। हकीकत है कि सरकार ने अभी तक चुनावी वादों को पूरा नहीं किया है।

सोमवार से शुरू हो रहे विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले ही दिन कांग्रेस विधानसभा घेराव करने जा रही है। इसमें कांग्रेस के सभी विधायकों के साथ दिग्गज नेता और कार्यकर्ता शामिल होंगे। दावा है कि विधानसभा घेराव में प्रदेश भर से करीब 50 हजार कार्यकर्ता शामिल रहेंगे। इसको लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि पार्टी के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता तैयारियों में लगे रहे। सभी विधायकों और पूर्व विधायकों से संपर्क किया गया है। हजारों की संख्या में कई जिलों से गाड़ियां आ रही हैं। यह पार्टी का बड़ा आंदोलन है। इसमें सभी नेताओं की ताकत लगी है। जनता की आवाज को हजारों कार्यकर्ता भोपाल तक लेकर आ रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष सिंघार के भोपाल आवास पर हुई बैठक में उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे, अरुण यादव, कमलेश्वर पटेल, सचिन यादव, प्रवीण पाठक और आरिफ मसूद सहित कई नेता मौजूद रहे। मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी विधायक दल के मुख्य सचेतक एवं मध्यप्रदेश शासन के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि भाजपा विधायक दल की बैठक सोमवार शाम सात बजे भोपाल में श्यामला हिल्स स्थित मुख्यमंत्री निवास में आयोजित की जाएगी। विजयवर्गीय ने बताया कि बैठक में प्रदेश के सभी विधायक उपस्थित रहेंगे।

विधानसभा सत्र के पहले दिन तीन नव निर्वाचित विधायक शपथ लेंगे। इसमें अमरवाड़ा से विधायक कमलेश शाह, बुधनी से विधायक रमाकांत भार्गव और विजयपुर से विधायक मुकेश मल्होत्रा को शपथ दिलाई जाएगी। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने सत्र में सारगर्भित चर्चा करने और पूरे जनहित के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए पूरे समय सत्र चलने देने की अपील की है।

शीतकालीन सत्र में बीना विधायक निर्मला सप्रे के शामिल होने पर अनिश्चितता है। कांग्रेस ने सप्रे को कांग्रेस खेमे में बैठाने से मना किया है। कांग्रेस का कहना है कि निर्मला अब पार्टी में नहीं है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने निर्मला सप्रे की सदस्यता रद्द करने को लेकर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को पत्र लिखा था। हालांकि उनकी सदस्यता पर स्पीकर ने कोई निर्णय नहीं लिया है। कांग्रेस ने इंदौर हाईकोर्ट में सप्रे की सदस्यता रद्द करने की मांग की है। इस मामले की सुनवाई 19 दिसंबर को होगी।

मणिशंकर अय्यर बोले-गांधी परिवार ने मेरा करियर बिगाड़ा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने एक इंटरव्यू में अपने राजनीतिक करियर और कांग्रेस पार्टी में अपनी स्थिति पर खुलकर बात की। उन्होंने दावा किया कि गांधी परिवार ने उनके करियर को न केवल बनाया, बल्कि बाद में उन्हें हाशिए पर भी धकेल दिया। अय्यर ने कहा, मेरे जीवन की विडंबना यह है कि मेरा राजनीतिक करियर गांधी परिवार द्वारा बनाया गया और गांधी परिवार द्वारा ही बर्बाद किया गया। अय्यर ने दावा किया कि उन्हें कई साल से गांधी परिवार के प्रमुख सदस्यों से सीधा संपर्क साधने नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि 10 साल तक मुझे सोनिया गांधी से आमने-सामने मिलने नहीं दिया गया। मुझे राहुल गांधी के साथ एक बार को छोड़कर कभी मिलने का मौका नहीं दिया गया। मैं प्रियंका से एक या दो बार सही से मिला हूं। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी ने कभी-कभार उन्हें फोन किया है, जिससे कुछ हद तक संपर्क बना हुआ है। एक घटना को याद करते हुए, अय्यर ने कहा कि जब उन्हें पार्टी से निलंबित किया गया था, तब उन्हें राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए वायनाड सांसद प्रियंका पर निर्भर रहना पड़ा था। उन्होंने बताया कि मैं प्रियंका गांधी से मिला और वे हमेशा मेरे प्रति बहुत दयालु रही हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैंने सोचा कि चूंकि राहुल का जन्मदिन जून में था, इसलिए मैं उनसे राहुल को मेरी शुभकामनाएं देने के लिए कह सकता हूं। अय्यर ने बताया कि जब प्रियंका गांधी ने पूछा कि वे खुद राहुल गांधी से बात क्यों नहीं कर रहे हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, मैं निलंबित हूं और इसलिए मैं अपने नेता से बात नहीं कर सकता। वरिष्ठ नेता अय्यर ने कहा कि उन्होंने राहुल गांधी को एक पत्र लिखा - एक इशारा जो जन्मदिन की बधाई के साथ शुरू हुआ, लेकिन उनके निलंबन पर जवाब भी मांगा, लेकिन उस पत्र के लिए कभी कोई प्राप्ति सूचना नहीं मिली।

सबसे ताकतवर महिलाओं में सीतारमण, रोशनी नादर मल्होत्रा और किरन मजूमदार शॉ

नई दिल्ली। फोर्ब्स ने साल 2024 की दुनिया की सबसे ताकतवर महिलाओं की सूची जारी कर दी है। इस सूची में उद्योग, मनोरंजन, राजनीतिक, समाज सेवा और नीति नियंताओं के नाम शामिल हैं। फोर्ब्स की इस 21वीं सूची में तीन भारतीय महिलाओं के नाम भी शामिल हैं, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया है। भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण फोर्ब्स की सबसे ताकतवर सूची में 28वें स्थान पर हैं। निर्मला सीतारमण ने मई 2019 में केंद्रीय वित्त मंत्री का पद संभाला था और उसके बाद से लगातार इस अहम पद पर बनी हुई हैं। निर्मला सीतारमण पर भारत के तेज आर्थिक विकास को बनाए रखने की जिम्मेदारी है और उनके नेतृत्व में भारत पांच खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। वहीं दिग्गज आईटी कंपनी एचसीएल टेक्नोलॉजीज की चेयरपर्सन और एचसीएल कॉर्पोरेशन की सीईओ रोशनी नादर मल्होत्रा को फोर्ब्स की सबसे ताकतवर महिलाओं की सूची में 81वां स्थान दिया गया है।

रोशनी नादर 12 अरब डॉलर की कंपनी के रणनीतिक फैसले लेती हैं। रोशनी नादर मल्होत्रा शिव नदार फाउंडेशन की भी ट्रस्टी हैं और इसके जरिए शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही हैं। किरन मजूमदार शॉ को फोर्ब्स की सबसे ताकतवर महिलाओं की सूची में 82वां स्थान दिया गया है। किरन मजूमदार बायोटेक कंपनी बायोकॉन की संस्थापक और चेयरपर्सन हैं। बायोकॉन की आज अमेरिका, एशिया के विभिन्न बाजारों समेत दुनिया भर में पहुंच है। किरन मजूमदार शॉ भारत के सबसे सफल उद्योगपतियों में से एक हैं। साल 2019 में किरन मजूमदार और उनके पति जॉन शॉ ने यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लोसगो में कैंसर रिसर्च के लिए 75 लाख डॉलर का दान दिया था। शॉ की कंपनी कोरोना वायरस की एंटीबॉडी थेरेपी का भी काम कर रही है।

विश्व विख्यात तबला वादक जाकिर हुसैन नहीं रहे-73 साल की उम्र में ली अंतिम सांस, तीन ग्रैमी सहित जीते थे कई बड़े अवॉर्ड

नई दिल्ली। मशहूर तबला वादक जाकिर हुसैन का देहांत हो गया है। तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वे दिल से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहे थे। वे 73 साल के थे। वे ब्लड प्रेशर की समस्या से जूझ रहे थे। अस्पताल से जुड़े सूत्रों ने उस्ताद के निधन की पुष्टि की है, लेकिन उनके परिवार का बयान नहीं आया। उनका जन्म 9 मार्च 1951 को मुंबई में हुआ था। उस्ताद जाकिर हुसैन को 1988 में पद्म श्री, 2002 में पद्म भूषण और 2023 में पद्म विभूषण से नवाजा गया था।

जाकिर हुसैन को तीन ग्रैमी अवॉर्ड भी मिल चुके थे। उनके पिता का नाम उस्ताद अल्लाह रक्खा कुरैशी और मां का नाम बीवी बेगम था। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जाकिर हुसैन को श्रद्धांजलि दी है। एक्स पर पोस्ट शेयर कर उन्होंने लिखा- संगीत नाटक अकादमी, ग्रैमी, पद्म श्री, पद्म भूषण व पद्म विभूषण जैसे अनेक पुरस्कारों से सम्मानित, सुप्रसिद्ध तबला वादक

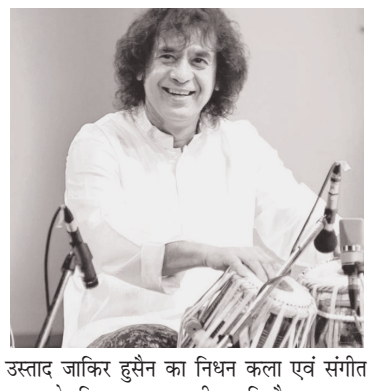

उस्ताद जाकिर हुसैन का निधन कला एवं संगीत जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। राजस्थान के केबिनेट मंत्री राजवर्धन सिंह राठौड़ ने उस्ताद जाकिर हुसैन के निधन पर शोक जाहिर करते हुए एक्स पर पोस्ट किया- जाकिर हुसैन की तबले पर असाधारण महारत ने संगीत की दुनिया में एक कालजयी विरासत बनाई है। उनके परिवार, दोस्तों और उन अनगिनत फैंस से मेरी गहरी सहानुभूति है, जिनके जीवन को उन्होंने अपनी क्रिएटिविटी से प्रभावित किया। उनका संगीत हमारे दिलों में हमेशा गूंजता रहेगा।

दिल से जुड़ी समस्या से पीड़ित थे जाकिर हुसैन जाकिर हुसैन के मित्र बांसुरीवादक राकेश चौरसिया ने बताया कि सेहत बिगड़ने के बाद उन्हें पिछले हफ्ते आईसीयू में भर्ती कराया गया था। वे दिल से जुड़ी समस्या के कारण पिछले हफ्ते से सैन फ्रांसिस्को के एक अस्पताल में भर्ती थे। जाकिर हुसैन मशहूर तबला वादक उस्ताद अल्लाह रक्खा के सबसे बड़े बेटे थे। उन्होंने अपने पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए भारत और दुनिया भर में खूब नाम कमाया। वे भारत के सबसे मशहूर शास्त्रीय संगीतकारों में से एक थे।

बराक ओबामा ने व्हाइट हाउस में बुलाया था जाकिर हुसैन ने मुंबई के माहिम स्थित सेंट माइकल स्कूल से पढ़ाई की थी। ग्रेजुएशन, मुंबई के सेंट जेवियर्स कॉलेज से किया। जब जाकिर हुसैन 11 साल के थे, जब उन्होंने पहली बार ऑडियन्स के सामने परफॉर्म किया था। वह भी अमेरिका में। 1973 में उन्होंने अपना पहला एल्बम लिविंग इन द मैटेरियल वर्ल्ड लॉन्च किया था। जाकिर को अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने ऑल-स्टार ग्लोबल कॉन्सर्ट में पार्टीसिपेट करने के लिए व्हाइट हाउस में इनवाइट किया था। जाकिर ने कई फिल्में भी की हैं। जाकिर पेशे से एक्टर भी थे। उन्होंने 12 फिल्में की हैं।

वो 5 रुपए सबसे ज्यादा कीमती... जाकिर हुसैन को तबला बजाने का शोक इतना था कि वो उनके हाथ अगर कोई बर्तन भी लगता तो उसी में से वो धुन निकालने लगते थे। जाकिर जब 12 साल के थे तो वे अपने पिता के साथ एक कॉन्सर्ट में गए थे। वहां वे पंडित रविशंकर, उस्ताद अली अकबर खान, बिस्मिल्लाह खान, पंडित शांता प्रसाद और पंडित किशन महाराज से मिले। जब जाकिर, अपने पिता के साथ स्टेज पर परफॉर्म कर रहे थे तो उन्हें देखकर हर कोई चौंक गया था। परफॉर्मेंस खत्म होने के बाद जाकिर को 5 रुपए मिले थे। एक इंटरव्यू में जाकिर ने कहा था कि मैंने अपने जीवन में बहुत पैसे कमाए, लेकिन वो 5 रुपए मेरे लिए सबसे ज्यादा कीमती थे।

कोचिंग क्लास में बदबू से 12 स्टूडेंट्स बेहोश, दो की हालत गंभीर

जयपुर। राजस्थान के जयपुर के उत्कर्ष कोचिंग में रविवार देर शाम 12 स्टूडेंट्स की तबीयत बिगड़ गई और वे बेहोश हो गए। जानकारी के अनुसार, कोचिंग में दूसरी मंजिल पर क्लास चल रही थी। इसी दौरान सीवरेज लाइन से उठी बदबू से छात्र-छात्राओं में बेहोशी छाने लगी थी। जयपुर के महेश नगर थाना इलाके में कोचिंग में अचानक स्टूडेंट्स के बेहोश होने का मामला सामने आया है। रविवार देर शाम को क्लास रूम में ही स्टूडेंट्स की सांसे फूलने लगी। उसके बाद सभी को आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना के बाद मौके पर पुलिस अधिकारी भी पहुंचे। बताया जा रहा है कि कोचिंग में क्लास के दौरान एसी के अंदर से गैस की बदबू आई, जिससे स्टूडेंट्स बेहोश होने लगे। हालांकि, सभी छात्र-छात्राओं की हालत में सुधार बताया जा रहा है। महेश नगर थाना अधिकारी कविता शर्मा ने बताया कि रिद्धि सिद्धि तिराहे के पास कोचिंग के स्टूडेंट्स बेहोश हो गए। रविवार देर शाम को कोचिंग की दूसरी मंजिल पर क्लास चल रही थी। करीब 7 बजे क्लास रूम में अजीब सी बदबू आने लगी, जिसकी वजह से करीब स्टूडेंट बेहोश हो गए। स्टूडेंट के बेहोश होने पर तुरंत उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया। सभी स्टूडेंट्स की हालत में सुधार है। स्टूडेंट से पूछने पर पता चला कि एक अजीब सी बदबू आने की वजह से वो बेहोश हो गए थे। बीमार पड़े विद्यार्थियों में 8 छात्राएं, 1 कुक भी शामिल है। 2 को सोमानी अस्पताल रेफर किया गया है।घटना के बाद प्रशासन में भी हड़कंप मच गया। वहीं, स्टूडेंट के परिजनों के साथ ही काफी संख्या में छात्र मौके पर पहुंचे। छात्र नेता निर्मल चौधरी अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गए। जहां पुलिस से उनकी झड़प हो गई। वहीं, भीड़ को भी हटाने का प्रयास किया गया। सूचना के बाद जयपुर शहर की सांसद मंजू शर्मा अस्पताल पहुंचीं, जहां उन्होंने बीमार पड़े छात्र-छात्राओं से मुलाकात की। डॉक्टर का कहना है कि बच्चों को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। इधर, कोचिंग संस्थान में गैस लीकेज के मामले में ग्रेटर नगर निगम की मेयर सौम्या गुर्जर ने जांच कमेटी बनाकर तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है।

पुलिस से ब्रीथ एनालाइजर मशीन झपटकर भाग गए नशेड़ी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। शहर में पुलिस द्वारा ड्रिंक एंड ड्राइव के चलते हो रहे हादसों की रोकथाम के लिए हर शनिवार व रविवार को सभी थानों में चेकिंग पॉइंट लगाए जाते हैं। शनिवार की रात एमआईजी थाना क्षेत्र में पुलिस द्वारा चेकिंग पॉइंट लगाकर दो व चार पहिया वाहनों को रोककर ब्रीथ एनालाइजर से चेक किया जा रहा था कि कहीं चालक शराब के नशे में तो गाड़ी नहीं चला रहा। इसी दौरान एक कार चालक पुलिसकर्मी के हाथ से बीथ एनालाइजर ही झपटकर कार सहित भाग निकला। जानकारी के अनुसार पॉइंट पर चेकिंग कर रहे पुलिसकर्मियों ने लाल रंग की कार को रोका और चालक नशे में तो नहीं है, यह चेक करने के लिए ब्रीथ एनालाइजर उसके मुंह की ओर बढ़ाया तो चालक ने पुलिसकर्मी से वह मशीन झपट ली और कार सहित भाग निकला। गनीमत रही कि सामने खड़े पुलिसकर्मी गाड़ी की चपेट में आने से बच गए।

दूसरे रास्ते से फरार हो गए नशेड़ी

घटना के बाद कुछ पुलिसकर्मियों ने गाड़ी से कार का पीछा करने के साथ ही पुलिस कंट्रोल रूम को सूचित किया, जहां से मिली सूचना

के बाद विजय नगर थाने के पुलिसकर्मियों ने तत्काल बैरिकेडिंग की, लेकिन कार सवार नशेड़ी मेन रोड के बजाय बीच में ही कहीं किसी और रास्ते से फरार हो गए।

97 वाहन चालकों के विरुद्ध हुई कार्रवाई

पुलिस ने शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले लापरवाह वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। इसमें 397 वाहन चालकों के विरुद्ध 185 मोटर व्हीकल एक्ट की कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी, ताकि शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए लोगों की जान जोखिम में डालने वाले ऐसे लापरवाह वाहन चालकों पर रोक लगाई जा सके। इधर, अवैध रूप से सार्वजनिक जगह पर शराब पीने वालों के खिलाफ दो केस दर्ज किए गए।

364 बदमाशों को चेक किया, 793 पर वैधानिक कार्रवाई की

इस दौरान पुलिस ने गुंडे-बदमाशों और असामाजिक तत्वों की निगरानी करते हुए लगभग 1364 बदमाशों को चेक किया। उसमें से 793 पर वैधानिक कार्रवाई की। इसमें विभिन्न प्रकरणों में वांछित 286 से ज्यादा वारंटों को तामील कराया गया। जिसमें लंबे समय से फरार 49 स्थाई और 91 गिरफ्तारी और 146 जमानती वारंट के साथ ही 149 समन भी तामील किए गए।

आदतन बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई

आदतन बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए- 170 बीएनएसएस में-15 व 129 बीएनएसएस में-13, 126बी/135(3) बीएनएसएस में-79 व 141-1ख बीएनएसएस में-1 इस प्रकार108 बदमाशों, असामाजिक तत्वों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई/समंस तामील किए गए। साथ ही क्षेत्र के आपराधिक प्रवृत्ति के 190-गुंडे/बदमाशों, 71-नकबजनों, 41-लुटेरों, 102-चाकूबाजों, 21-ड्रग पैडलर्स एवं 110 निगरानी शुदा बदमाशों के साथ ही 36 जिलाबदर व रासुका के बदमाशों सहित 571 से ज्यादा बदमाशों को चेक किया गया और कार्रवाई की गई। पकड़ाए गए और चेक किए गए बदमाशों को अपराध न करने की हिदायत देते हुए उनसे डोजियर भी भरवाए।

निगम अधिकारी को धमकाने वाले भाजपा पार्षद पर केस

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के तुकोगंज में पुलिस ने वार्ड क्रमांक 26 के पार्षद लाल बहादुर वर्मा के खिलाफ नगर निगम के एक अधिकारी को धमकाने और गाली-गलौज करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। घटना 13 दिसंबर की शाम 5.30 बजे हुई थी, जब जोन क्रमांक-9 के मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक हर्षित लोधी ड्यूटी पर थे। उस समय पार्षद लाल बहादुर वर्मा ने उनसे फोन किया और अवैध रूप से जेसीबी और डंपर की मांग की, जिसे हर्षित ने मना कर दिया। इसके बाद पार्षद ने धमकी दी और गाली-गलौज करने लगे। इस घटना की शिकायत नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी ने रविवार सुबह तुकोगंज थाने में दर्ज कराई और बातचीत की ऑडियो क्लिप भी पुलिस को सौंपी। पुलिस ने इस मामले में धाराएं बीएनएस 308(2) और 531(2) के तहत केस दर्ज किया है।

पुलिस का भी फोन नहीं उठाया पार्षद ने

एडी. डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि पार्षद के खिलाफ अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज किया गया है, लेकिन पार्षद से फोन पर संपर्क करने की कोशिश करने पर उन्होंने फोन नहीं उठाया। हर्षित लोधी ने कहा कि यदि पुलिस द्वारा उचित कार्रवाई नहीं की गई तो सभी जोनों के सीएसआई, दरोगा और अन्य अधिकारी मिलकर काम बंद करने और हड़ताल करने की चेतावनी भी दे सकते हैं। घटना के विरोध में नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी ने तुकोगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई है और मामले की कड़ी जांच की मांग की है।

पार्षद ने दी देख लेने की धमकी, की गाली-गलौज

तुकोगंज पुलिस के मुताबिक, स्कीम नंबर 140 निवासी हर्षित (26) पिता परशुराम लोधी जोन

क्रमांक-9 पंचम की फेल में मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक के पद पर पदस्थ है। हर्षित ने बताया कि घटना 13 दिसंबर की शाम 5.30 बजे की है। उस वक्त वे जोनल ऑफिस पर ड्यूटी पर थे। उस दौरान वार्ड क्रमांक 26 के पार्षद लाल बहादुर वर्मा ने उन्हें फोन किया और उनसे अवैध काम करवाने के लिए जेसीबी-डंपर की मांग करने लगे। जिसके लिए मैंने मना कर दिया। इस पर पार्षद ने देख लेने की धमकी दी और गाली-गलौज करने लगे। जिसकी शिकायत उन्होंने तुकोगंज थाने पर की है। मामले में पुलिस ने धारा बीएनएस 308(2), 531(2) में केस दर्ज किया है।

थाने पर पहुंचे अधिकारी-कर्मचारी

घटना के बाद रविवार सुबह नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी तुकोगंज थाने पहुंचे और मामले में शिकायत की। इसके साथ ही उन्होंने पुलिस को पार्षद और निगम अधिकारी के बीच हुई बातचीत की ऑडियो क्लिपिंग भी सौंपी है। नगर निगम अधिकारी की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

हड़ताल करने की दी चेतावनी

हर्षित लोधी ने कहा कि, यहां सभी जोनों के सीएसआई, दरोगा और अन्य अधिकारी थाने पर हमारे साथ आए हैं। अगर पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं की जाती है, तो काम बंद हड़ताल करने की चेतावनी भी दी है। एडी.डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने कहा कि तुकोगंज थाने में नगर निगम के मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक हर्षित लोधी की शिकायत पर पार्षद लाल बहादुर वर्मा के खिलाफ अलग-अलग धाराओं में केस दर्ज किया गया है। इधर, इस मामले में पार्षद लाल बहादुर वर्मा से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, मगर उन्होंने फोन नहीं उठाया।

पुलिस को देख भागा युवक, पीछा कर पकड़ा, मिली लाखों की ब्राउन शुगर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में पुलिस को देख एक युवक भाग खड़ा हुआ। टीम ने पीछा कर उसे पकड़ा तो उसके पास से 48.29 ग्राम ब्राउन शुगर मिली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 4 लाख 80 हजार रुपए है। पकड़ाए युवक पर हत्या और छेड़छाड़ के दो मामले पहले से दर्ज हैं। क्राइम ब्रांच एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और इन गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। क्राइम ब्रांच की टीम संदेहियों की तलाश शहर में अलग-अलग स्थानों पर कर रही थी। इस दौरान सूचना मिली की एक बदमाश ब्राउन शुगर की सप्लाई देने आया है। स्कीम नंबर 140 दिलपसंद ग्रीन के पास खाली मैदान में टीम पहुंची, जहां एक संदिग्ध दिखा। वह पुलिस को देखकर भागने लगा। टीम ने उसका पीछा किया और पकड़ लिया। पूछताछ की तो उसने अपना नाम शरीफ (31) पिता रियाज मोहम्मद निवासी सुवासरा जिला मंदसौर बताया। उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 48.29 ग्राम ब्राउन शुगर मिली। जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 4 लाख 80 हजार रुपए है। आरोपी की खिलाफ एनडीपीसी एक्ट में कार्रवाई की गई है। जांच में सामने आया कि आरोपी आदतन अपराधी है। मंदसौर के थाना सुवासरा में हत्या और छेड़छाड़ के दो केस दर्ज हैं। उससे पूछताछ कर जानकारी निकाली जा रही है। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि आरोपी से पूछताछ में कुछ नाम सामने आए हैं। मंदसौर में जहां से वह ब्राउन शुगर लेकर आया था वहां के कुछ लोगों के नाम उसने बताए हैं। वहीं इंदौर में जिन्हें सप्लाई करने आया था उनके नाम भी सामने आए हैं। इन लोगों के खिलाफ भी जल्द कार्रवाई की जाएगी।

एमवायएच में जल्द खुलेगा येलो फीवर वैक्सीन सेंटर, टीका लगवाना होगा आसान

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर से विदेश जाने वाले यात्रियों को अब परेशान नहीं होना पडेगा। इसके लिए एमवाय अस्पताल की नई ओपीडी बिल्डिंग में येलो फीवर वैक्सीन लगाने की सुविधा शुरू होगी। इसके लिए केंद्र की टीम इंदौर आई और नई ओपीडी बिल्डिंग में स्थान देखा। जल्द ही यहां येलो फीवर वैक्सीन सेंटर शुरू होगा। विदेश जाने से पहले लोग यहां वैक्सीन लगवा सकेंगे। दरअसल अभी इंदौर में येलो फीवर वैक्सीन की सुविधा नहीं होने से लोगों को भोपाल या दूसरे राज्य की ओर रुख करना पड़ता है। 40 से ज्यादा देश ऐसे हैं जहां जाने के पहले येलो फीवर वैक्सीन की जरूरत होती है। वहां येलो फीवर के काफी केस हैं। उनसे बचने के लिए येलो फीवर वैक्सीन लगवाना जरूरी है ताकि इन्फेक्शन न हो। सुपरिनटैंडैंट डॉ. अशोक यादव ने बताया कि दिल्ली से आई टीम ने नई ओपीडी में जहां सेंटर बनना है, वहां का निरीक्षण किया है। सबकुछ अनुकूल रहा तो सेंटर में जल्द ही येलो फीवर वैक्सीन लगना शुरू हो जाएगी। यलो फीवर एक तरह वायरल इन्फेक्शन है जो मच्छरों की वजह से फैलता है। बुखार, पीलिया, किडनी फेल होना और लगातार ब्लीडिंग जैसे लक्षणों से इसे पहचाना जा सकता है। यह एबोर्वायरस से फैलता है और मच्छर के काटने से यह वायरस शरीर में प्रवेश कर जाता है। दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका के सहारा क्षेत्र में यह रोग आम है। पहली बार इसका टीका 1927 में हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में विकसित किया गया था। इसके बाद 1932 में इसे मनुष्यों के लिए तैयार किया गया था।

चार दिनी प्लास्टपैक 2025 सम्मेलन 9 जनवरी से, चार सौ कंपनियां आएंगी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। भारत का सबसे बड़ा प्लास्टिक उद्योग सम्मेलन प्लास्ट पैक 2025 इंदौर में 9 से 12 जनवरी लाभ गंगा एक्जीबिशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा। आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्लास्टिक उद्योग को भविष्य के लिए तैयार करना है। इसकी थीम प्लास्टिक इंडस्ट्रीज रेडी फॉर फ्यूचर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, पाइप, एग्रीकल्चर और फार्मा इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी है। सचिन बंसल (प्रेसिडेंट, इंडियन प्लास्ट पैक फोरम), हितेश मेहता (चेयरमैन प्लास्ट पैक) के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले प्लास्ट पैक 2025 में देशभर के प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आईपीपीएफ की टीम देश भर के मुख्य शहरों में पहुंच रही है। इसी कड़ी में 12 दिसम्बर को प्लास्ट

पैक की टीम इंदौर पहुंची और आयोजन की जानकारी दी। प्रेसिडेंट सचिन बंसल ने बताया कि प्लास्ट पैक 2025 प्लास्टिक उद्योग के लिए एक अनूठा मंच है। यह आयोजन इंडस्ट्री के नए इनोवेशन करने के साथ उद्योगपतियों, वैज्ञानिकों और पॉलिसी मेकर्स को एक साथ लाकर इंडस्ट्री के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान खोजने का अवसर भी प्रदान करेगा। प्लास्ट पैक 2025 केवल एक प्रदर्शनी नहीं है। यह भारत के प्लास्टिक और पैकेजिंग उद्योग के लिए अपनी ताकत, इनोवेशन और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने का एक मंच है।

फोरम के वाइस प्रेसिडेंट जाहिद शाह ने बताया कि, प्लास्टिक हमारे जीवन का हिस्सा बन चुका है। सुबह से लेकर शाम तक हम कितनी ही बार प्लास्टिक का उपयोग करते हैं। हमारे बीच एक भ्रांति फैला दी गई है कि प्लास्टिक पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है, लेकिन ऐसा नहीं है। प्लास्टिक को रिसाइकिल किया जा सकता है, जबकि लकड़ी के साथ ऐसा संभव नहीं है। केवल वह प्लास्टिक, जो रिसाइकिल की प्रक्रिया में नहीं आ पाते, वह प्लास्टिक पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है। यह मात्रा प्लास्टिक इकोनॉमी का केवल 1 या 2त्न है। इस प्रकार, प्लास्टिक का सही और पुन- उपयोग पर्यावरण और उद्योग दोनों के लिए फायदेमंद हो सकता है।

इंदौर में 27 हजार प्रतिभागियों ने दी एमपीपीएससी की राज्य पात्रता परीक्षा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) 2024 दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक चली।

यह परीक्षा एक सत्र में 12 संभागीय और जिला मुख्यालयों इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, रीवा, सागर, शहडोल, नर्मदापुरम, उज्जैन, सतना, खरगोन और रतलाम के परीक्षा केंद्रों पर हुई है। इस परीक्षा के लिए आयोग ने कुल 17 संभागीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई थी। इंदौर जिले में निर्धारित परीक्षा केंद्रों के निरीक्षण काम के लिए सेन.नि.आई.एफ.एस पी.सी. दुबे, से.नि.आईएएस आशुतोष अवस्थी, से.नि उच्च न्यायाधीश राजेंद्र महाराज को संभागीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया था। आयोग ने सुरक्षा और सर्तकता अधिकारी के रूप में उप पुलिस अधीक्षक प्रिया सिंह को नियुक्त किया गया था। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के ओएसडी आर पंचभाई ने बताया कि इंदौर में एग्जाम के लिए 70 सेंटर बनाए गए, जहां 27 हजार अभ्यर्थी शामिल हो हुए। वहीं पूरे एमपी की बात करें तो 1 लाख 21 हजार अभ्यर्थी ने एग्जाम दिया। 12 शहरों में एग्जाम के लिए 323 सेंटर बनाए गए।

राजेंद्र नगर इलाके के नाले में मिले दो भ्रूण, सीसीटीवी चेक कर रही पुलिस

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में राजेंद्र नगर इलाके के नाले में रविवार को दो भ्रूण मिले हैं। लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी।

पुलिस ने दोनों भ्रूण को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। भ्रूण तेजपुर गड़बड़ी पुल के पास से मिले हैं। एडीशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि सुबह 11 बजे पुलिस को सूचना मिली थी। भ्रूण वहां कैसे आए, इसका पता लगाया जा रहा है। एक टीम सीसीटीवी फुटेज चेक करने के लिए भी लगाई गई है। किन रास्तों से नाले तक पहुंचा जा सकता है, वहां के सीसीटीवी फुटेज भी देखे जा रहे हैं। आसपास के अस्पतालों से भी जानकारी जुटाई जा रही है।

बिल्ली के लिए रखा नौकर, डेढ़ करोड़ की चोरी करके भाग गया

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में रियल एस्टेट कारोबारी अनीस मोहम्मद के घर में 1.5 करोड़ रुपये की चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है। नेपाली नौकर दीपेश थापा ने अपने साथी के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। दीपेश ने कारोबारी को खाने में बेहोशी की दवाई देकर बेहोश किया और घर से 75 लाख के जेवर, 19 लाख नकद, 10 लाख की घड़ियां और एक थार गाड़ी लेकर फरार हो गया। चोरी के दौरान घर पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी की तलाश में इलाके की नाकेबंदी कर दी गई है। अनीस मोहम्मद ने बताया कि वह घर में अकेले रहते हैं, जबकि उनकी पत्नी महू और बेटा देहरादून में हैं। उनके पास एक बिल्ला है, जिसकी देखभाल के लिए और घरेलू कामकाज के लिए दीपेश थापा को 1 दिसंबर को महू की सिक्योरिटी एजेंसी के माध्यम से नौकरी पर रखा गया था। कारोबारी ने नौकर का वैरिफिकेशन करवाने की बात एजेंसी संचालक हेमंत पंवार से कही थी, लेकिन यह प्रक्रिया पूरी नहीं की गई। घटना के कुछ दिन पहले से दीपेश कारोबारी को खाने में नशीली दवाइयां दे रहा था। गुरुवार शाम को खाना खाने के बाद कारोबारी को चक्कर आने लगे और दीपेश ने उन्हें बेडरूम में सुला दिया। इसके बाद उसने अपने साथी को बुलाया और घर की अलमारियों और तिजोरियों को खंगालकर सामान चुरा लिया। चोरी के बाद दीपेश ने गार्ड्स को चकमा देकर थार गाड़ी से फरार हो गया।

पुलिस और सिक्योरिटी एजेंसी की टीम ने कारोबारी को अस्पताल पहुंचाया, जहां वह करीब 24 घंटे तक बेहोश रहे। अनीस मोहम्मद ने इस चोरी की जानकारी अपने सेना अधिकारी दोस्तों और सोशल मीडिया के माध्यम से साझा की और नेपाल सहित अन्य बॉर्डरों पर भी सूचना भेजी गई है ताकि आरोपी को पकड़ा जा सके। अनीस ने बताया कि महू में उनका फॉर्म हाउस और अन्य कारोबार है। इस वजह से उनकी सेना के अफसरों से जान-पहचान है। चोरी की जानकारी कई परिचित अफसरों को सोशल मीडिया के जरिए दी है। नेपाल बॉर्डर और अन्य सीमाओं पर भी इसकी जानकारी हमने भेज दी है, ताकि बदमाशों का पता चल सके। दूसरी ओर, पुलिस ने नौकर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। उसकी तलाशी के लिए तीन टीमें गठित की गई हैं। पुलिस ने चुराई गई थार को तीन इमली से जब्त कर लिया है। फोरेंसिक टीम की मदद से पुलिस ने फिंगर प्रिंट लिए हैं। आरोपी का मोबाइल भी ट्रैक किया है, लेकिन उसने चोरी के बाद सिल्वर स्प्रिंग से निकलते ही मोबाइल बंद कर लिया था।

अब पुलिस, पटवारी और शिक्षक भर्ती परीक्षाओं में होगा एआई का इस्तेमाल

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश में पुलिस, पटवारी और शिक्षक भर्ती फर्जीवाड़े के चलते चर्चा का विषय बनी रहती हैं। अब इन परीक्षाओं में फजीर्वाड़ा रोकने के लिए मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करेगा। इसकी तैयारी की जा रही है। एमपी ईएसबी के डायरेक्टर सकेत मालवीय ने बताया कि अभी प्रयोग के तौर पर जनवरी माह में होने वाली परीक्षाओं में एआई तकनीकी के प्रयोग करेंगे। उन्होंने बताााया कि एआइ के माध्यम से आवेदन पत्र, परीक्षा के दौरान चेहरों के मिलान और उत्तर देने में लगने वाले समय का विश्लेषण कर फर्जीवाड़े की आशंका को खत्म करने की योजना बनाई गई है। अधिकारियों ने बताया कि एआई माड्यूल चार प्रकार के डाटा का विश्लेषण कर फजीर्वाड़ा का पता लगाएगा।

परीक्षार्थियों की इस तरह की जाएगी जांच

मिली जानकारी के मुताबिक इस तकनीकी के उपयोग से उम्मीदवारो की पहले चरण में आवेदन पत्रों की स्कैनिंग कर यह पता लगाया जाएगा कि किसी खास शहर में केंद्र विशेष चाहने वालों की संख्या असामान्य तो नहीं है? दूसरे चरण में माड्यूल परीक्षा के दौरान फेस रिकोग्निशन तकनीक से ऐसे लोगों की पहचान करेगा जो दूसरे के नाम पर परीक्षा देने बैठ रहे हैं। तीसरे चरण में परीक्षार्थियों द्वारा हल किए गए सवालों का विश्लेषण किया जाएगा। इसमें यह पता लगाया जाएगा कि सवाल हल करने में परीक्षार्थी को कितना समय लगा। अगर सवालों को हल करने में लगने वाला समय एक समान है या फिर असामान्य है तो इसे संदिग्ध माना जाएगा।

एआई तकनीक से ऑनलाइन परीक्षा के दौरान ही फजीर्वाड़ा पकड़ा जाएगा। इसके जरिये सॉफ्टवेयर परीक्षार्थी के प्रश्नपत्र हल करने के तरीके और समय पर नजर रखेगा। परीक्षार्थी किस प्रश्न पर कितनी देर रुका, प्रश्नों को हल करने में कितना समय लगा, कितनी देर वह खाली बैठा रहा। इसके आधार पर संदिग्ध की पहचान होगी। अगर अभ्यर्थी सिर्फ 15 से 20 मिनट में सवालों का जवाब दे देता है तो एआई मंडल को रेड अलर्ट भेजेगा कि यहां कुछ गड़बड़ है। किसी केंद्र विशेष का बहुत से अभ्यर्थियों द्वारा विकल्प चुने जाने पर भी रेड अलर्ट भेजा जाएगा। परीक्षा की पूरी प्रक्रिया को तीन अलग-अलग एजेंसियां पूरी कराएंगी। एक एजेंसी ऑनलाइन परीक्षा कराएगी, दूसरी एजेंसी प्रश्न पत्र तैयार करके देगी और तीसरी एजेंसी एआई माड्यूल का काम संभालेगी। अभी तक परीक्षा में दो ही एजेंसियों को लगाया जाता रहा है।

इस तरह से होगी निगरानी

- जितने केंद्रों पर परीक्षा हो रही है। कंट्रोल रूम से उतने ही लोग निगरानी करेंगे। यानी हर केंद्र की लाइव निगरानी होगी।
- बायोमैट्रिक आथेंटिफिकेशन और उपस्थिति दर्ज करने का काम अब परीक्षा लेने वाली एजेंसी के साथ सुरक्षा एजेंसी भी करेगी।
- एजेंसियां परीक्षा केंद्र पर भौतिक, साइबर सुरक्षा, सर्वर, नेटवर्क सिक्योरिटी सहित गोपनीयता सुनिश्चित करेगी।

जनवरी माह में होने वाली परीक्षाओं में करेंगे प्रयोग

ईएसबी के डायरेक्टर साकेत मालवीय ने बताया कि नई नई तकनीकियों का उपयोग कर किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने का प्रयास किया जा रहा है।

इसी कड़ी में एआई तकनीकी का भी प्रयोग हम शुरू करने जा रहे हैं। इसमें किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की आशंका को पूरी तरह से समाप्त कर दिया जाएगा। जनवरी माह में होने वाली परीक्षाओं में इस तकनीकी का उपयोग किया जाएगा। एआई के माध्यम से हर अभ्यर्थी की गहनता से पड़ताल की जाएगी। यह सॉफ्टवेयर के जरिए डाटा विश्लेषण कर निरीक्षण और डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करेगी।

धार्मिक पर्यटन ने मध्यप्रदेश में हिल स्टेशनों को पीछे छोड़ा

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। आम धारणा के विपरीत मध्यप्रदेश में पर्यटक मुख्य रूप से हिल स्टेशनों या पचमढ़ी, बांधवगढ़ जैसे राष्ट्रीय उद्यानों की बजाय मंदिरों में जाते हैं। यह रुझान स्पष्ट रूप से मध्य प्रदेश में धार्मिक पर्यटन के प्रभुत्व को दर्शाता है। धार्मिक और मनोरंजक स्थलों के बीच महत्वपूर्ण असमानता यात्रियों के बीच गहरी सांस्कृतिक प्राथमिकताओं को दशार्ती है। मध्यप्रदेश पर्यटन के आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि धार्मिक स्थलों पर सबसे ज्यादा पर्यटक आते हैं, जिसमें इस साल जनवरी से अक्टूबर तक उज्जैन और मैहर सबसे ज्यादा देखे जाने वाले स्थान बन गए हैं। कुल मिलाकर अब तक राज्य के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर 10,69,42,911 पर्यटक पहुंचे हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि उज्जैन में 5,82,11,242 पर्यटक आए, जबकि मैहर में 1,15,51,000 पर्यटक आए हैं। इसकी तुलना में इस अवधि के दौरान हिलस्टेशन पचमढ़ी में केवल 2,27,135 आगंतुक दर्ज किए गए हैं। उल्लेखनीय रूप से राजधानी भोपाल के पास एक धार्मिक स्थल सलकनपुर ने इस वर्ष 22,22,000 आगंतुकों के साथ पचमढ़ी को पीछे छोड़ दिया। खजुराहो में 3,56,018 पर्यटक आए हैं।

बुनियादी ढांचे का किया जा रहा विकास

उज्जैन और मैहर के अलावा, चित्रकूट, अमरकंटक और ओंकारेश्वर जैसे अन्य धार्मिक स्थल भी पूरे वर्ष अच्छी खासी भीड़ खींचते हैं। पौराणिक महत्व से भरपूर ये स्थान प्रमुख तीर्थस्थल बने हुए हैं। पर्यटन विभाग इन धार्मिक स्थलों पर बुनियादी ढांचे को सक्रिय रूप से विकसित कर रहा है। नई आवास सुविधाओं, बेहतर सड़क संपर्क और बढ़ी हुई सुविधाओं ने इन स्थलों को सभी उम्र के आगंतुकों के लिए अधिक सुलभ बना दिया है। जबकि साहसिक पर्यटन और वन्यजीव अभयारण्य महत्वपूर्ण खंड बने हुए हैं, वे एक अलग जनसांख्यिकी को आकर्षित करते हैं।

18 दूसरे धार्मिक स्थल हो रहे विकसित

मध्य प्रदेश पर्यटन के प्रबंध निदेशक इलियाराज टी. ने कहा कि मध्य प्रदेश को उज्जैन में महाकाल लोक और अन्य धार्मिक स्थल होने का सौभाग्य प्राप्त है। हमने ऐसे स्थानों पर बहुत विकास किया है, जिसके कारण पर्यटकों की आमद बहुत अधिक है। हम महाकाल लोक की तर्ज पर 18 अन्य धार्मिक स्थलों का विकास कर रहे हैं। इसके अलावा अन्य स्थानों पर भी बड़ी संख्या में पर्यटक जा रहे हैं। एमपीटी ने धार्मिक और मनोरंजक दोनों ही स्थानों पर अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए एक व्यापक योजना बनाई है।

सीजन पर भी निर्भर करते हैं टूरिस्ट

पचमढ़ी अपने औपनिवेशिक आकर्षण और प्राकृतिक सुंदरता के बावजूद ज्यादातर वीकेंड में आने वाले मेहमानों और स्कूली भ्रमणों को देखता है। इसी तरह, बांधवगढ़ और कान्हा बाघ अभयारण्य विशिष्ट मौसमों में वन्यजीव उत्साही लोगों को आकर्षित करते हैं। राज्य सरकार की पर्यटन नीति इस पैटर्न को स्वीकार करती है और तदनुसार संसाधनों का आवंटन करती है। आंकड़े पर्यटकों की आवाजाही में मौसमी पैटर्न को भी दशार्ते हैं। धार्मिक स्थलों पर त्योहारों और शुभ तिथियों के दौरान भीड़ अधिक होती है, जबकि पहाड़ी स्टेशनों पर गर्मियों के महीनों में अधिक भीड़ होती है।

नर्मदापुरम में बाघ का शिकार, नाखून दांत, पूंछ के बाल काट ले गए

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। नर्मदापुरम जिले के बानापुरा रेंज के बांसपानी जंगल में मृत पाए गए बाघ का शिकार किए जाने की पुष्टि हुई है। शिकारियों ने बाघ के नाखून, चार केनाइन दांत और पूंछ के बाल काटकर ले गए हैं। इस मामले में वन विभाग और स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (टीएसएफ) की टीमें शिकारियों का पता लगाने के लिए सक्रिय रूप से जांच कर रही हैं। मध्य प्रदेश में 2024 में अब तक 42 बाघ की मौत हो चुकी है। नर्मदापुरम जिले के बानापुरा रेंज के बांसपानी जंगल में 11 दिसंबर को एक बाघ का शव मिला था, जिसकी उम्र लगभग 9 साल बताई जा रही है। पोस्टमॉर्टम के दौरान यह सामने आया कि शिकारियों ने बाघ के 4 केनाइन दांत, 3 नाखून और पूंछ के बाल काटकर ले गए। वन विभाग ने मामले की गंभीरता को देखते हुए शिकारियों की तलाश में तीन टीमों को तैनात किया है। इसके साथ ही जांच में मदद के लिए स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (टीएसएफ) की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। टाइगर के नाखून, दांत और पूंछ के बाल काटे जाने से यह संदेह जताया जा रहा है कि किसी तंत्र-मंत्र या झाड़-फूंक करने वाले व्यक्ति का हाथ हो सकता है। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि बाघ की मौत लगभग चार-पांच दिन पहले हुई थी। उसके शव को झाड़ियों के नीचे दबा दिया गया था और घटनास्थल से कुछ दूर तक खींचकर ले जाया गया था।

बाघ के शव के बाकी अंगों को शिकारियों ने नहीं निकाला था, जिससे इसकी मौत के कारण को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं।

वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बाघ के शव को देखने से यह प्रतीत होता है कि शिकारियों ने उसे मारने के बाद दूर फेंक दिया था और शव को झाड़ियों से ढंक दिया था। जांच में यह भी सामने आया कि कीड़े शव के अंदर तक पहुंच गए थे, जिससे बाघ के नर या मादा होने की पुष्टि नहीं हो पा रही है। शिकारियों का पता लगाने के लिए वन विभाग और टीएसएफ की टीम ने बांसपानी गांव और उसके आसपास के क्षेत्रों में सर्च ऑपरेशन जारी रखा है। डॉग स्क्वायड ने भी घटनास्थल से कुछ दूरी तक खोजबीन की, लेकिन फिलहाल शिकारियों का कोई सुराग नहीं मिला है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इस क्षेत्र में तंत्र-मंत्र और झाड़-फूंक के लिए बाघ के नाखून, दांत और अन्य अंगों का इस्तेमाल किया जाता है और यह संभावना जताई जा रही है कि शिकार का मकसद तंत्र-मंत्र विद्या से संबंधित हो सकता है। उन्होंने बताया कि प्रोफेशनल शिकारी का इसमें हाथ नहीं लगता। बाघ की पहचान के लिए बानापुरा रेंज में हुई कैमरा ट्रैपिंग से प्राप्त पुराने फोटोज की जांच की जा रही है, ताकि मृत बाघ की पहचान की जा सके। प्रथम दृष्टया यह संदेह जताया जा रहा है कि बाघ की मौत करंट लगने के कारण हुई है, लेकिन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। वन विभाग का दावा है कि वह जल्द ही शिकारियों को पकड़ने में सफल होंगे।

अमरवाड़ा और बुधनी विधायक के शपथ ग्रहण से शुरू हुआ एमपी विधानसभा का शीतकालीन सत्र

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हो गया है। अमरवाड़ा से विधायक कमलेश शाह और बुधनी से विधायक रमाकांत भार्गव के शपथ ग्रहण से विधानसभा की कार्यवाही शुरू हुई। सत्र में सरकार जन विश्वास विधेयक प्रस्तुत करेगी, जिसके माध्यम से छोटे-छोटे मामलों को कोर्ट-कचहरी के स्थान पर अर्थदंड लगाने का अधिकार अधिकारियों को दिया जाएगा।

इसके साथ ही वर्ष 2024-25 के लिए 17 दिसंबर को 15,000 करोड़ रुपये से अधिक के प्रथम अनुपूरक बजट के साथ नगर निगम और नगर पालिका अधिनियम और निजी विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक भी प्रस्तुत किए जाएंगे। सदन की बैठक सुबह 11 बजे से शुरू हुई।

इसके पहले कार्यमंत्रणा समिति की बैठक होगी। कामकाज को सरल बनाने के लिए केंद्र सरकार ने वर्ष 2023 में जन विश्वास विधेयक प्रस्तुत किया था। इसी तरह मध्य प्रदेश सरकार भी विधेयक प्रस्तुत करने जा रही है।

इसमें नगरीय विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, ऊर्जा, श्रम, सहकारिता सहित अन्य विभागों के उन अधिनियमों में संशोधन किया जा रहा है, जिनमें दो-तीन माह की सजा या जुर्माने का प्रविधान है। ऐसे मामलों में समझौते का प्रविधान शामिल किया जा रहा है।

उधर, नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषद के अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव तीन वर्ष की कार्यावधि पूरी होने के बाद प्रस्तुत करने और उसे पारित कराने के लिए तीन चौथाई

पार्षदों का समर्थन आवश्यक संबंधी प्रविधान करने अधिनियम में संशोधन प्रस्तावित किया गया है।

भाजपा के दो, एक कांग्रेस विधायक की होगी शपथ

विधानसभा के आज से प्रारंभ हो रहे शीतकालीन सत्र में सबसे पहले उपचुनाव में निर्वाचित तीन विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। लोकसभा चुनाव के समय छिंदवाड़ा जिले की विधानसभा सीट अमरवाड़ से कांग्रेस विधायक कमलेश शाह ने त्यागपत्र देकर भाजपा की सदस्यता ले ली थी। जुलाई 2024 में उपचुनाव कराए गए, जिसमें भाजपा के प्रत्याशी कमलेश शाह विजयी रहे। उन्होंने तब विधानसभा की सदस्यता नहीं ली थी। अब उन्हें शपथ दिलाई जाएगी। इसी तरह, शिवराज सिंह चौहान के विदिशा से सांसद निर्वाचित होने पर बुधनी और रामनिवास रावत के विधानसभा की सदस्यता से त्यागपत्र देने पर विजयपुर में उपचुनाव कराया गया था।

वहीं, कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे के विरुद्ध दलबदल के आवेदन पर अभी तक कोई निर्णय न होने के कारण भले ही कांग्रेस विधायक दल ने उन्हें अपने साथ बैठाने से इन्कार करते हुए उन्हें आसन आवंटन के लिए पत्र नहीं दिया पर विधानसभा सचिवालय ने उन्हें कांग्रेस दल के सदस्यों के साथ ही सीट आवंटित की है।

हाथों में खाद की खाली बोरियां लेकर मध्य प्रदेश विधानसभा का घेराव करने निकले कांग्रेसी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भाजपा सरकार की वादाखिलाफी, भ्रष्टाचार, अनुसूचित जाति-जनजाति, महिलाओं, बच्चियों के उत्पीड़न, किसानों की समस्या, बेरोजगारी सहित अन्य मुद्दों को लेकर कांग्रेस विधानसभा का घेराव कर शक्ति प्रदर्शन करने सड़क पर उतर गई है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में हो रहे इस आंदोलन में प्रदेशभर से कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं। सभी भोपाल के जवाहर चौक पर एकत्र हुए इसके बाद हाथ में खाद की बोरियां लेकर आगे बढ़े।

सुरक्षा के तगड़े प्रबंध

उधर, कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए बैरिकेडिंग के साथ सुरक्षा के तगड़े प्रबंध किए गए हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने बताया कि प्रदेशभर से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता आंदोलन में भाग लेने के लिए पहुंचे हैं। भाजपा सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल में प्रदेशवासियों को केवल धोखा

मिला है। न तो लाड़ली बहनों को तीन हजार रुपये देने की पहल की गई, न ही किसानों को धान के 3,100 और गेहूं के 2,700 रुपये प्रति क्विंटल दिए गए। सोयाबीन का छह हजार रुपये देने की घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र चुनाव के समय की थी, उसे भी लागू नहीं किया गया।

महिलाओं और बच्चियों के साथ हो रही घटनाएं

पटवारी का कहना है कि एक भी दिन ऐसा नहीं बीतता है, जब महिलाओं और बच्चियों के साथ कोई घटना न घटती हो। अनुसूचित जाति-जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के उत्पीड़न की खबरें भी हर दिन सामने आ रही हैं। अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। अर्थव्यवस्था चरमराई हुई है।

बजट से ज्यादा हो चुका है सरकार पर कर्ज

बजट से अधिक सरकार पर कर्ज हो चुका है। बेरोजगारी की समस्या, जहां की तहां बनी हुई है। इन सब मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए विधानसभा का घेराव किया जा रहा है।

सम्पादकीय

जब भारत ने बदल दिया दक्षिण एशिया का नक्शा

भारत ने जैसे ही पूर्वी पाकिस्तान के आजाद होने की घोषणा की, दक्षिण एशिया का नक्शा ही बदल गया। कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह ने पाकिस्तानी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल ए.ए.के. नियाजी की सेना का आत्मसमर्पण करा दिया। 3 दिसंबर 1971 को भारत-पाकिस्तान युद्ध की शुरूआत हुई थी। पाकिस्तान ने 11 भारतीय वायु सेना स्टेशनों पर हवाई हमले किए। युद्ध पूर्वी और पश्चिमी दोनों मोर्चों पर लड़ा गया। 4 दिसंबर 1971 को भारत ने ऑपरेशन ट्राइडेंट शुरू किया। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आधी रात को ऑल इंडिया रेडियो से इस युद्ध की घोषणा की थी। 16 दिसंबर 1971 को 13 दिनों के बाद युद्ध समाप्त हुआ।

भारत हर साल 16 दिसंबर को विजय दिवस मनाता है। भारत ने 1971 के युद्ध में पाक को धूल चटाई थी, जिसका जश्न इस दिन मनाया जाता है। 1971 युद्ध में पाकिस्तानी सेना का सरेंडर एक ऐतिहासिक घटना थी जिसने बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा की। यह सरेंडर 16 दिसंबर 1971 को ढाका में हुआ था, जब पाकिस्तानी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल ए.ए.के. नियाजी ने भारतीय सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह और बांग्लादेश की अस्थायी सरकार के प्रतिनिधि के सामने आत्मसमर्पण किया। इस सरेंडर के पीछे कई कारण थे, जिनमें से एक प्रमुख कारण था भारतीय सेना की मजबूती और पाकिस्तानी सेना की कमजोरी। भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना को कई मोर्चों पर पराजित किया और ढाका की ओर बढ़ रही थी। सरेंडर के बाद, पाकिस्तानी सेना के 93,000 सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से सबसे बड़ा आत्मसमर्पण था। इस सरेंडर ने बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा की और पाकिस्तान के लिए एक बड़ी हार का प्रतीक बन गया। 1971 के युद्ध में भारत को भी नुकसान उठाना पड़ा था। भारतीय सेना के 3900 जवान शहीद हुए थे और 9800 से ज्यादा घायल। हालांकि, इन सैनिकों का बलिदान बर्बाद नहीं हुआ और आखिरकार पाक सेना ने आत्मसमर्पण किया और नए देश बांग्लादेश का जन्म हुआ। भारत ने जैसे ही पूर्वी पाकिस्तान के आजाद होने की घोषणा की, दक्षिण एशिया का नक्शा ही बदल गया। कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह ने पाकिस्तानी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल ए.ए.के. नियाजी की सेना का आत्मसमर्पण करा दिया। 3 दिसंबर 1971 को भारत-पाकिस्तान युद्ध की शुरूआत हुई थी। पाकिस्तान ने 11 भारतीय वायु सेना स्टेशनों पर हवाई हमले किए। युद्ध पूर्वी और पश्चिमी दोनों मोर्चों पर लड़ा गया। 4 दिसंबर 1971 को भारत ने ऑपरेशन ट्राइडेंट शुरू किया। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आधी रात को ऑल इंडिया रेडियो से इस युद्ध की घोषणा की थी। 16 दिसंबर 1971 को 13 दिनों के बाद युद्ध समाप्त हुआ। पाक की इतनी बड़ी सेना होने के बाद भी उसने सरेंडर क्यों किया, यह सवाल सभी के दिमाग में है। इसका जवाब खुद पाक के तत्कालीन कमांडर नियाजी ने दिया। इसकी पूरी कहानी भारतीय एयरफोर्स ने साझा की है। दरअसल, युद्ध में भारतीय वायुसेना ने पाक की कमर तोड़ दी थी। भारतीय वायुसेना ने 2400 ऑपरेशन चलाकर पूर्वी पाकिस्तान की सेना को खदेड़ दिया था। नियाजी से जब पूछा गया कि इतनी बड़ी सेना ने सरेंडर क्यों किया, तो उन्होंने वायुसेना के एक सैनिक की वर्दी पर बने हवाई जहाज की तरफ इशारा करते हुए कहा- यही इंडियन एयरफोर्स के कारण। इस युद्ध के दौरान अमेरिका ने भी भारत के खिलाफ अपना सातवां बेड़ा भेज दिया था, जिसने भारत के लिए मुश्किल खड़ी कर दी थी। लेकिन उसी समय भारत के पुराने दोस्त सोवियत संघ (वर्तमान रूस) ने ऐसा कदम उठाया जिसने युद्ध की दिशा बदल दी। 4 दिसम्बर 1971 को जब भारतीय सेना ने अभियान शुरू किया, उसी दिन से पाकिस्तानी सेना के पैर उखड़ने शुरू हो गए थे। इसके बाद भारतीय सेना की मदद से मुक्तिवाहिनी के योद्धा लगातार पूर्वी पाकिस्तान में जीत हासिल कर रहे थे। पाकिस्तान को समझ आ गया था कि ऐसा ही चलता रहा तो हार निश्चित है। पाकिस्तान ने वॉशिंगटन से मदद मांगी, जिसके बाद अमेरिका के सातवें बेड़े ने परमाणु ऊर्जा से चलने वाले विमानवाहक पोत यूएसएस एंटरप्राइज को बंगाल की खाड़ी में भेज दिया। अमेरिका का यह कदम पूर्वी पाकिस्तान में भारतीय सेना की बढ़त को रोकने की कोशिश के तहत उठाया गया था। हालांकि, निक्सन प्रशासन ने यूएसएस एंटरप्राइज को कोई खास निर्देश नहीं दिया था, लेकिन आवश्यकता पड़ने पर उसे भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने की आजादी थी। यह भारत के लिए मुश्किल घड़ी थी। उस समय भारत की स्थिति ऐसी नहीं थी कि वह दो मोर्चे पर लड़ाई लड़ सके। इस दौरान तत्कालीन सोवियत संघ ने भारत को अमेरिकी योजना के बारे में जानकारी दी। इसके बाद भारतीय सेना ने पायलटों की तलाश शुरू की जो अपने लड़ाकू विमानों को यूएसएस एंटरप्राइज से टकराने के लिए तैयार हों। इस घटनाक्रम के बीच सोवियत संघ ने बड़ा कदम उठाते हुए नौसेना की एसएसजीएन पनडुब्बी को सतह पर आने का आदेश दिया, जो क्षेत्र पर नजर रख रहे अमेरिकी सैटेलाइट की नजर में आ गई। इस रणनीतिक कदम ने अमेरिकी नौसेना को हैरान कर दिया। अब उनके सामने भारतीय सेनाओं के साथ-साथ सोवियत पनडुब्बी की मौजूदगी से भी निपटना था।

बांग्लादेश...एक भारतीय स्वप्न की हत्या!

बंगबंधु रावलपिंडी से रिहा होकर भारत आए थे। 10 जनवरी को उनका भाषण आकाशवाणी पर लाइव प्रसारित किया गया था। बांग्ला में बोले गए उनके शब्दों को पता नहीं कितने लोगों ने समझा, लेकिन यह सच है कि जहां भी रेडियो था, वहां लोग कान लगाकर उन्हें सुन रहे थे। हर ओर उत्साह भरा जोश था कि भारत और बांग्लादेश मिलकर आगे का रास्ता तय करेंगे। आज वह भरोसा डिगा हुआ नजर आता है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार जारी है और वहां की सरकार इस सच को स्वीकार करने से मुंह मोड़ रही है।

आज बांग्लादेश के उदय की 53वीं वर्षगांठ है। हर वर्ष इन दिनों मुझे दिसंबर 1971 की उजली सुबह याद आ जाती है। रोज की तरह मैं राजकीय इंटर कॉलेज, इलाहाबाद की अनिवार्य प्रार्थना सभा में शामिल हुआ था। दैनिक प्रार्थना और राष्ट्रगान के बाद प्रधानाचार्य खानवलकर महोदय ने माइक सम्हाला। आमतौर पर प्राचार्य सवेरे की सभा को संबोधित नहीं करते, लेकिन वह दिन खास था। हमें संबोधित करते वक्त उनके चेहरे पर खुशी थी, आंखों में पानी छलक रहा था और आवाज लरज रही थी। उन्होंने हमें बताया कि भारतीय सेना ने ढाका में एक लाख के करीब पाक सैनिकों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया है। हम जीत गए हैं, स्वतंत्र बांग्लादेश का उदय हो चुका है।

उन दिनों समूचे देश में युद्ध का वातावरण था। हर रात ब्लैक आउट होता और रह-रहकर सायरन बज उठता, ताकि लोग सतर्क रहें। आवश्यक वस्तुओं पर राशनिंग लागू थी और सटीक सूचना का सीमित जरिया था, आकाशवाणी। इन दुश्वारियों के बावजूद राष्ट्रभक्ति की भावना हर ओर हिलोरें मारती नजर आती। ऐसे में, प्राचार्य की घोषणा ने बच्चों में जोश भर दिया। हम जोर-जोर से नारे लगाने लगे। छात्र मतवाले हो चले थे। शिक्षकों के टोकने के बावजूद हम कॉलेज से बाहर निकल पड़े। वह अनियोजित जुलूस घंटों तक यूं ही इधर-उधर चलता रहा, नारे लगाता रहा।

बरसों बाद, फ्रांस की राज्यक्रांति को पढ़ते हुए वे लम्हे सहसा याद हो आए थे। उन गाथाओं ने समझा दिया था कि क्रांतियां, विजय जुलूस और पराजय की हताशाएं, कभी न कभी किसी तिराहे पर एक साथ आ खड़ी होती हैं। भारतीय उपमहाद्वीप का वर्तमान काल इसका उदाहरण है।

इस तथ्य को समझने के लिए हमें जनवरी 1972 के उन लम्हों में लौटना होगा, जब बंगबंधु रावलपिंडी से रिहा होकर भारत आए थे। 10 जनवरी को उनका भाषण आकाशवाणी पर लाइव प्रसारित किया गया था।

बांग्ला में बोले गए उनके शब्दों को पता नहीं कितने लोगों ने समझा, लेकिन यह सच है कि जहां भी रेडियो था, वहां लोग कान लगाकर उन्हें सुन रहे थे। हर ओर उत्साह भरा जोश था कि भारत और बांग्लादेश मिलकर आगे का रास्ता तय करेंगे। आज वह भरोसा डिगा हुआ नजर आता है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार जारी है और वहां की सरकार इस सच को स्वीकार करने से मुंह मोड़ रही है।

अफसोस, यह सिलसिला आज शुरू नहीं हुआ। शपथ ग्रहण के चार साल भी नहीं बीते थे कि बंगबंधु और उनका लगभग पूरा परिवार सैनिक विद्रोह में मारा गया था। उस समय अखबारों ने भावुक संपादकीय लिखे थे कि भारत में गांधी की हत्या हुई और बांग्लादेश में शेख मुजीबुर्रहमान की। ऐसा लगता है, जैसे हम लोगों को अपने राष्ट्रपिता को पोसने की जिम्मेदारी स्वीकार्य नहीं।

सैन्य तख्तापलट में शेख मुजीबुर्रहमान के कत्ल के बाद नए सदर बने मुश्ताक अहमद ने जनरल जियाउर रहमान को सेना प्रमुख नियुक्त किया। जिया ने तेजी से सियासी पकड़ बनाई और डेढ़ साल के भीतर वह फौज की मदद से सदर की कुर्सी पर विराजमान थे। उनके दिमाग में इस्लामी बांग्लादेश का ख्वाब पलता रहता था। उन्होंने और उनके जाने के बाद उनकी पत्नी बेगम खालिदा जिया ने इस रवायत को कायम रखा। जब शेख हसीना वाजेद चुनाव जीत जातीं, तो हालात कुछ सुधरते, लेकिन बांग्लादेश रह-रहकर संशय का शिकार हो जाता है।

इसमें कोई दोराय नहीं कि सियासी उलट-फेर के चक्रव्यूह और राजनीतिक उलटबांसियों के बावजूद बांग्लादेश ने गजब की आर्थिक तरक्की की है। जिस वक्त पाकिस्तान अरब देशों, चीन और आईएमएफ के आगे हाथ पसार रहा था, उसी समय बांग्लादेश ने पिछड़े देशों से विकासशील देश की यात्रा तय की। वह रेडिमेड कपड़ों के निर्माण का हब बनकर उभरा।

विश्व बैंक के मुताबिक, साल 2010 से 2023 के बीच बांग्लादेश की औसत विकास दर 6.4 प्रतिशत रही। इस अवधि में उसकी गरीबी 11.8 प्रतिशत से घटकर पांच फीसदी पर आ गई। साक्षरता, शिशु मृत्यु-दर, बिजली तक पहुंच जैसे मानव विकास सूचकांकों में भी उसका रिकॉर्ड सुधरा। प्रतिव्यक्ति विकास दर के मामले में वह फिलवक्त हमसे भी आगे निकल गया है।

उम्मीद थी कि हमारे इस पड़ोसी का कारवां लगातार आगे बढ़ता रहेगा, लेकिन पिछले कुछ महीनों की घटनाओं ने इस सुखद संभावना पर सवालिया निशान लगा दिया है। कभी लंदन में जलावतनी काट रहे मोहम्मद यूनुस इस समय वहां की सरकार के मुख्य सलाहकार हैं। यूनुस को नोबेल पुरस्कार मिल चुका है और इस नाते वह दुनिया भर में सम्मानित शख्स के तौर पर जाने जाते हैं। उनसे उम्मीद की जाती थी कि वह बांग्लादेश को तेजी से आगे बढ़ाएंगे, लेकिन वह खुद उन ताकतों का हिस्सा साबित हो रहे हैं, जो अल्पसंख्यकों पर अत्याचार कर बांग्लादेश को फिर से पीछे धकेलना चाहती हैं। शेख हसीना वाजेद से उनकी निजी रंजिश का असर भारत से रिश्तों पर भी दिख रहा है। पिछले दिनों उन्होंने यूरोपीय देशों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर यह मांग की थी कि दिल्ली और भारत के अन्य हिस्सों में बांग्लादेशियों के लिए खोले गए वीजा केंद्रों को ढाका स्थानांतरित कर दिया जाए। दोनों देशों के बीच पनपी तल्खी का नतीजा है कि जूना अखाड़े के साधुओं को इस बार महाकुंभ में प्रयागराज आने की इजाजत नहीं मिल सकी है। भारत में आयोजित होने वाले चार कुंभों में बांग्लादेश में मौजूद जूना अखाड़े की शाखाओं से चार से पांच सौ तक साधु आते रहे हैं। यही नहीं, ढाका से बहुत जल्द पाकिस्तान के लिए हवाई सेवा शुरू करने पर भी काम चल रहा है। उधर, आईएसआई बड़ी शिद्दत से भारत विरोधी जेहादी शक्तियों को बढ़ावा दे रही है। सवाल यह है कि बांग्लादेश अपने लिए कैसा भविष्य चुनना चाहता है?

वहां के हुक्मरां भूल क्यों जाते हैं कि पाकिस्तान 1980 के दशक तक प्रतिव्यक्ति आय के मामले में भारत से आगे था। उसने जेहादी शक्तियों को बढ़ावा दिया और आज वहां की दुर्गति देख लीजिए। इसके विपरीत भारत ने धर्मनिरपेक्षता की नीति को जारी रखा। नई दिल्ली की सरकारों ने हर तरह के कट्टरवाद और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी और बाजार की अर्थव्यवस्था को प्राथमिकता दी। नतीजा सामने है। हम 2047 तक विश्व की तीन सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्तियों में शामिल होने का सपना संजोने की हैसियत रखते हैं।

कभी 1971 में बुरी तरह पराजित हुआ पाकिस्तान भले ही आज बांग्लादेश की घटनाओं पर इतरा ले, लेकिन उसे याद रखना चाहिए कि अंतिम जीत अवाम की आर्थिक तरक्की से हासिल होती है।

ऐसे में, बांग्लादेश कट्टरपंथियों के हाथ में खुद को सौंपकर भला आगे बढ़ने का मनसूबा पाल भी कैसे सकता है? मोहम्मद यूनुस ऐंड कंपनी को इतनी साधारण बात समझ में क्यों नहीं आती? ढाका का यह बदला रवैया भारत की चिंता का भी सबब है। हमारी दोनों सीमाओं पर मजहबी उन्मादियों का जमावड़ा शुभ शकुन नहीं है।

डिब्बाबंद भोजन, समय पूर्व बुढ़ापे को बुलावा

आज के तेज़-तर्रार युग में समय की कमी ने हमारे खानपान की आदतों को पूरी तरह से बदल दिया है। घर का ताजा भोजन अब पुराने समय की बात होती जा रही है, और उसकी जगह डिब्बाबंद भोजन (पैक्ड फूड) ने ले ली है। हालांकि ये भोजन सुविधाजनक और जल्दी तैयार हो जाने वाला होता है, लेकिन इसके पीछे छिपे स्वास्थ्य खतरों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। डिब्बाबंद भोजन केवल स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि समय पूर्व बुढ़ापे का भी बड़ा कारण बनता है। डिब्बाबंद भोजन वे खाद्य पदार्थ हैं, जिन्हें लंबे समय तक ताजा बनाए रखने के लिए विभिन्न रसायनों, परिरक्षकों (प्रिजर्वेटिव्स), और कृत्रिम तत्वों का उपयोग किया जाता है। इनमें डिब्बों में बंद सूप, सब्जियां, फल, मांस, और स्नैक्स शामिल होते हैं। यह भोजन तुरंत उपयोग के लिए तैयार होता है, जो समय की बचत तो करता है, लेकिन हमारे शरीर को भारी नुकसान पहुंचाता है। डिब्बाबंद भोजन में उपयोग किए जाने वाले रसायन, जैसे सोडियम बेंजोएट और पोटैशियम सॉरबेट, भोजन को लंबे समय तक खराब होने से बचाते हैं। लेकिन ये रसायन हमारे शरीर में विषाक्तता (टॉक्सिसिटी) पैदा करते हैं, जिससे कोशिकाओं को नुकसान होता है और समय पूर्व बुढ़ापे की प्रक्रिया तेज हो जाती है। डिब्बाबंद भोजन में सोडियम और चीनी की मात्रा अत्यधिक होती है। सोडियम जहां ब्लड प्रेशर बढ़ाता है और हृदय संबंधी रोगों का खतरा बढ़ाता है। वहीं चीनी मोटापा, मधुमेह, और त्वचा पर झुर्रियां लाने में सहायक होती है। इसके अलावा डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों में ट्रांस फैट का उपयोग किया जाता है, जो कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है और हृदय रोगों का कारण बनता है। यह हमारी कोशिकाओं को कमजोर करता है, जिससे त्वचा ढीली पड़ जाती है और बुढ़ापे के लक्षण समय से पहले दिखाई देने लगते हैं। डिब्बाबंद भोजन में पोषक तत्वों की भारी कमी होती है। भले ही यह भोजन दिखने में ताजा लगता है, लेकिन इसमें आवश्यक विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सिडेंट नहीं होते। ये पोषक तत्व हमारी त्वचा, बाल और संपूर्ण स्वास्थ्य को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।डिब्बाबंद भोजन अक्सर प्लास्टिक और एल्यूमीनियम के डिब्बों में पैक किया जाता है। इनसे बीपीए जैसे हानिकारक रसायन निकल सकते हैं, जो शरीर के हार्मोन संतुलन को बिगाड़ते हैं और समय पूर्व बुढ़ापे को न्योता देते हैं। डिब्बाबंद भोजन के नियमित सेवन से कई स्वास्थ्य समस्याएं समय से पहले उत्पन्न हो जाती हैं, जैसे त्वचा पर झुर्रियां पड़ने लगती हैं और डलनेस आ जाती है । एंटीऑक्सिडेंट की कमी और विषैले पदार्थों के कारण त्वचा अपनी चमक खो देती है। पोषक तत्वों की कमी के कारण बाल कमजोर होकर झड़ने लगते हैं।डिब्बाबंद भोजन से कैलोरी तो मिलती है, लेकिन ऊर्जा देने वाले तत्व गायब होते हैं। फाइबर की कमी से पेट में कब्ज और अन्य पाचन समस्याएं होती हैं। साथ ही कैल्शियम और विटामिन डी की कमी के कारण हड्डियां समय से पहले कमजोर हो जाती हैं।डिब्बाबंद भोजन के दुष्प्रभाव से बचने के लिये जहां तक संभव हो, घर पर बने भोजन को प्राथमिकता देनी चाहिये । ताजे फल और सब्जियां खानी चाहिये जो पोषक तत्वों का बेहतर स्रोत हैं। यदि पैक्ड फूड खरीदना ही हो, तो उसके लेबल पर पोषण और सामग्री की जानकारी अवश्य पढ़नी चाहिये ।बाजार में अब प्राकृतिक और ऑर्गेनिक खाद्य पदार्थ भी उपलब्ध हैं, जो डिब्बाबंद भोजन की तुलना में स्वास्थ्यवर्धक हैं।लोगों को अधिक पानी पीना चाहिए ताकि शरीर को विषाक्त पदार्थों से मुक्त रखा जा सके। शहरीकरण और व्यस्त जीवनशैली के कारण भारत में भी डिब्बाबंद भोजन का चलन तेजी से बढ़ा है। मल्टीनेशनल कंपनियां ऐसे उत्पादों का प्रचार करती हैं, जो समय बचाने का वादा करते हैं। लेकिन भारतीय संस्कृति और खानपान की पारंपरिक विधियां हमेशा ताजगी और पोषण को महत्व देती हैं। डिब्बाबंद भोजन एक आसान विकल्प हो सकता है, लेकिन यह हमारे स्वास्थ्य के लिए दीर्घकालिक नुकसान का सौदा है। समय पूर्व बुढ़ापा और इससे जुड़ी समस्याओं से बचने के लिए हमें अपने खानपान में बदलाव करना होगा। ताजा, घर का बना और संतुलित आहार ही हमारी सेहत और युवा बनाए रखने का वास्तविक उपाय है। डिब्बाबंद भोजन से दूरी बनाकर हम न केवल अपने स्वास्थ्य की रक्षा कर सकते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक स्वस्थ जीवनशैली का उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हैं।

(राजीव खरे चीफ ब्यूरो छत्तीसगढ़)

रोहित शर्मा और मोहम्मद शमी विवादः भारतीय क्रिकेट टीम को हो सकता है नुकसान?

भारतीय क्रिकेट टीम में हाल ही में रोहित शर्मा और मोहम्मद शमी के बीच विवाद की खबरों ने हलचल मचा दी है। यह विवाद कथित तौर पर टीम की रणनीति और प्रदर्शन को लेकर हुआ, जिसने भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को चिंता में डाल दिया है। ऐसे मतभेद किसी भी टीम के प्रदर्शन और एकता पर गहरा असर डाल सकते हैं, खासकर तब जब टीम बड़े टूर्नामेंट की तैयारी में हो।आजकल खुद रोहित फार्म में नहीं हैं ऊपर से यदि शमी के फिट होने के बाद भी उन्हें टीम में नहीं लिया जाता तो अकेले बुमराह की दम पर आस्ट्रेलिया में जीतना संभव नहीं लगता। सूत्रों के मुताबिक, यह विवाद हाल ही में खेले गए एक मैच के दौरान उभरा, जहां रोहित शर्मा ने एक रणनीतिक फैसले को लेकर शमी पर नाराजगी जाहिर की। शमी ने इस फैसले पर असहमति जताई, जिससे दोनों खिलाड़ियों के बीच तनाव बढ़ गया। ग़ौरतलब है कि रोहित शर्मा का क़द विश्व कप जीतने के बाद इतना बढ़ गया है कि कई आलोचकों के अनुसार वे अपने आप को खेल से ऊपर समझने लगे हैं। वैसे भी मुंबई इंडियंस की कप्तानी उनसे लेकर हार्दिक पांड्या को देने पर उन्होंने जो रुख़ दिखाया था उससे उनके दबदबे का अंदाज़ा लगाया जा सकता है। हालांकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने अब तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। क्रिकेट जैसी टीम स्पोर्ट में खिलाड़ियों के बीच तालमेल और एकता बेहद महत्वपूर्ण है। यदि यह विवाद बढ़ता है, तो इससे टीम की आंतरिक संरचना प्रभावित हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी स्थिति में युवा खिलाड़ियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, और टीम का सामूहिक प्रदर्शन कमजोर हो सकता है। पूर्व क्रिकेटर और विशेषज्ञों ने इस मामले पर चिंता जताई है। एक वरिष्ठ खिलाड़ी ने कहा, भारतीय टीम के लिए यह समय एकता बनाए रखने का है। रोहित और शमी जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को यह समझना होगा कि उनके विवाद से टीम पर नकारात्मक असर पड़ेगा। BCCI को इस मामले में सख्त कदम उठाने की जरूरत है। बोर्ड को खिलाड़ियों के बीच सुलह कराने और टीम में शांति बनाए रखने के लिए हस्तक्षेप करना चाहिए। यदि इस विवाद को समय रहते नहीं सुलझाया गया, तो इसका असर न केवल टीम की परफॉर्मेंस पर पड़ेगा, बल्कि टीम की छवि पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। भारतीय टीम के लिए भी यह चुनौतियां पैदा करेगा । भारतीय टीम आगामी टूर्नामेंटों की तैयारी में जुटी है। ऐसे में इस तरह के विवाद उनके प्रदर्शन को प्रभावित कर सकते हैं। इस विवाद ने मीडिया और सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है, जिससे खिलाड़ियों पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है।टीम में आंतरिक विवाद विपक्षी टीमों को मानसिक बढ़त दे सकता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस विवाद को खत्म करने के लिए टीम मैनेजमेंट और कोचिंग स्टाफ को तुरंत कदम उठाने चाहिए। रोहित शर्मा और मोहम्मद शमी को अपनी व्यक्तिगत असहमति को भुलाकर टीम के हित में काम करना होगा। भारतीय क्रिकेट टीम विश्व क्रिकेट में एक मजबूत टीम मानी जाती है, लेकिन ऐसे विवाद उसकी छवि और प्रदर्शन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। खिलाड़ियों को समझना होगा कि टीम की सफलता व्यक्तिगत मतभेदों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। समय रहते इस मुद्दे को सुलझाना ही भारतीय क्रिकेट के हित में होगा।

(राजीव खरे चीफ ब्यूरो छत्तीसगढ़)

जीवनसिंह शेरपुर के आगमन को लेकर करणी सेना परिवार की बैठक संपन्न

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ । शाजापुर, करणी सेना के प्रमुख जीवनसिंह शेरपुर, प्रदेश संगठन शैलेंद्रसिंह झाला और प्रदेश सचिव अजीत सिंह डोडिया के आगमन को लेकर करणी सेना की बैठक मोहन बड़ोदिया के ग्राम जावदी धाम हनुमान पर मंदिर पर संपन्न हुई। रविवार को आयोजित बैठक की शुरूआत जावदी धाम के हनुमानजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। संगठन मंत्री भीमसिंह बना ने बताया कि मोहन बड़ोदिया में होने वाले आगामी कार्यक्रम को लेकर बैठक कर रूपरेखा बनाई गई। वहीं शाजापुर तहसील अध्यक्ष पद पर धर्मेंद्र सिंह मझानिया एवं तहसील मोहन बड़ोदिया चोमा मंडल उपाध्यक्ष ऋतिक बना की नियुक्ति की गई। पदाधिकारियों का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत करते हुए नियुक्ति पत्र दिए गए। इस अवसर पर जिला महामंत्री धर्मेंदसिंह बना, तहसील अध्यक्ष अर्जुनसिंह दुधाना, तहसील संघठन मंत्री शैलेंद्रसिंह सागडिया, तहसील संयोजक कमल बना सागडिया एवं समस्त करणी सैनिक परिवार सदस्य उपस्थित रहे।

62 वर्षीय दंपति का नेशनल लोक अदालत में हुआ समझौता

जिले में 16 खण्डपीठों ने 954 से अधिक मामलों में कराया राजीनामा

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय शाजापुर एवं तहसील न्यायालय शुजालपुर में किया गया। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाजापुर ललित किशोर के मार्गदर्शन में लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। नेशनल लोक अदालत का शुभारभ मुख्य न्यायाधिपति मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के द्वारा वर्चुअल माध्यम से सुबह 10.30 बजे किया गया। शुभारंभ पर अध्यक्ष जिला विवाद प्रतितोषण आयोग जसवीर कौर सासन, विशेष न्यायाधीश एवं समन्वयक नेशनल लोक अदालत अंजनी नंदन जोशी, प्रधान जिला न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय शाजापुर अवधेशकुमार गुप्ता, मुकेश रावत, दिनेशकुमार नोटिया, धर्मेन्द्र सोनी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सिराज अली, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुनयना श्रीवास्तव, व्यवहार न्यायाधीशगण आदिल अहमद खान, अनुष्का शर्मा, डॉ स्वाती चौहान, सतीश कुमार शुक्ला, विधिक सहायता अधिकारी फारूक अहमद सिद्दीकी मौजूद रहे। शुभारंभ के पश्चात प्रधान जिला न्यायाधीश ललित किशोर एवं अन्य न्यायाधीशों द्वारा न्याय वाटिका में फलदार-फूलदार पौधे भी रोपित किए गए। नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण के लिए जिला शाजापुर एवं तहसील शुजालपुर को मिलाकर कुल 16 खण्डपीठ गठित की गई थी। इसमें करीब 954 प्रकरणों का निराकरण किया गया। करीब 07 करोड़ 91 लाख 35 हजार 906 रुपए के अवार्ड पारित किए गए। लोक अदालत में दीवानी, फौजदारी, पारिवारिक, चैक अनादरण, श्रम, बैंक रिकवरी आदि से संबंधित मामले भी रखे गए थे। जिला प्राधिकरण शाजापुर के सचिव एवं जिला न्यायाधीश सिराज अली ने बताया कि नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित कुल 755 प्रकरण रखे गए, जिनमें से 318 प्रकरणों का निराकरण किया तथा 07 करोड़ 53 लाख 22 हजार 995 रुपए के अवार्ड पारित किए गए। लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन के 7585 प्रकरण रखे, जिनमें से 636 प्रकरणों का निराकरण कर 38 लाख 12 हजार 911 रुपए की राशि विभिन्न विभागों को जमा हुई। नेशनल लोक अदालत के माध्यम से कुल 1699 व्यक्तियों का लाभान्वित किया गया। नेशनल लोक अदालत में विद्युत विभाग, नगरपालिका एवं बैंक के काउंटरों पर भीड़ रही। आमजन ने विद्युत अधिनियम के प्रकरणों में नगरपालिका के जलकर, संम्पत्तिकर के मामलों में दी जा रही छूट का लाभ लिया। बैंक अधिकारियों के द्वारा भी बकाया ऋण में छूट प्रदान करते हुए कई मामलों में समझौते किए। नेशनल लोक अदालत के माध्यम से 22 पारिवारिक मामलों को भी आपसी सुलह समझौते के माध्यम से सुलझाया गया। न्यायालय शाजापुर के समक्ष लंबित 01 पारिवारिक मामलें में 62 वर्षीय दंपति का राजीनामा कराकर पीठासीन अधिकारी के समक्ष एक दूसरे को माला पहनाई तथा राजीनामा करने वाले पक्षकरों को पौधा वितरित कर विवाद नहीं करने की समझाईश दी गई। नेशनल लोक अदालत की सफलता में सहयोग देने पर प्रशासन के साथ ही पुलिस विभाग, बार एसोसिएशन कोर्ट कर्मचारियों का जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

मनिहारवाड़ी स्थित भूमि पर चला प्रशासन का बुलडोजर

मनमानीपूर्ण कार्रवाई का लगा आरोप

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ । शाजापुर, मनिहारवाड़ी क्षेत्र में स्थित भूमि पर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा सीमांकन कर कब्जा लेने के कार्रवाई की गई। इस मामले में प्रशासन की कार्रवाई पर पार्षद प्रतिनिधि शेख सलमान ने सवालिया निशान खड़ा करते हुए मनमानी का आरोप लगाया है। सलमान का आरोप है कि उक्त भूमि उनके परिवार के नाम पर दर्ज है जिसको लेकर न्यायालय से स्टे लिया गया था। वहीं स्टे की अवधि खत्म होने पर अवधि बढ़ाने हेतु न्यायालय में प्रक्रिया की गई है, लेकिन प्रशासन ने उससे पहले ही आकर रविवार को निजी भूमि को सरकारी बताकर कब्जे में ले लिया है। जबकि इस मामले में एसडीएम मनीषा वास्कले का कहना है कि उक्त भूमि शासकीय है और उसे कलेक्टर द्वारा पुलिस सहायता केंद्र के लिए आरक्षित किया गया है, जिसके चलते उक्त भूमि पर कब्जे की कार्रवाई की गई है। भूमि पर प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर अपने कब्जे में लिया है।

भारी पुलिस बल रहा तैनात

गौरतलब है कि मनिहारवाड़ी शहर का सबसे संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। ऐसे में प्रशासन द्वारा रविवार को भूमि पर सीमांकन और कब्जा करने की कार्रवाई किए जाने के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा। एसडीएम मनीषा वास्कले दोपहर के समय थाना प्रभारी संतोष वाघेला और पटवारियों के साथ मौके पर पहुंची और यहां सीमांकन कर कब्जा लिया गया। उक्त भूमि पर पुलिस सहायता केंद्र बनाया जाना है। हालांकि पार्षद प्रतिनिधि सलमान का कहना है कि भूमि निजी है, जिसके लिए न्यायालय में जाएंगे। फिलहाल भूमि को लेकर किसी तरह का स्टे नही होने पर प्रशासन ने कार्रवाई की है। कार्रवाई के दौरान पुलिस के साथ ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौजूद रही।

जिला महिला अस्पताल में आपरेशन के दौरान महिला के पेट में छोडा तौलिया, महिला को पेट में दर्द की शिकायत होने पर निजी अस्पताल में कराया गया भर्ती

पेट में तौलिया होने की वजह से पेट की आंत फटी, दोबारा ऑपरेशन कर महिला के पेट से तौलिया निकाला गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ । सहारनपुर, सहारनपुर में एक महिला ने ऑपरेशन से बच्ची को जन्म दिया लेकिन घर पहुंचने के बाद तीसरे दिन से ही उसके पेट में असहनीय पीड़ा होने लगी। जांच कराई तो पता चला कि डॉक्टरों ने ऑपरेशन के दौरान पेट में ही तौलिया छोड़ दिया है। सहारनपुर जिला महिला अस्पताल में एक बार फिर लापरवाही सामने आई है। आरोप है कि यहां ऑपरेशन के दौरान महिला के पेट में तौलिया छोड़ दिया। ऑपरेशन से महिला को बेटी हुई। परिजन महिला को घर ले गए। दो दिन बाद महिला को पेट में दर्द की शिकायत होने लगी। निजी अस्पताल में महिला को भर्ती कराया, जहां पता चला कि पेट में तौलिया है। इसकी वजह से पेट की आंत फटी हुई है। दोबारा ऑपरेशन कर महिला के पेट से तौलिया निकाला गया। दरअसल, साढ़ौली पिलखनी के रहने वाले सूरज की पत्नी करिश्मा गर्भवती थीं। 25 नवंबर को पत्नी के पेट में दर्द की शिकायत हुई। इसके बाद परिजन उसे महिला अस्पताल लेकर पहुंचे। करिश्मा को ऑपरेशन से बेटी हुई। आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान महिला के पेट में तौलिया छोड़ दिया गया। एक-दो दिन सामान्य रहा, लेकिन तीसरे दिन पेट में दर्द होने लगा। पीड़िता ने बताया कि ससुराल के लोग दोबारा महिला अस्पताल लेकर आए। पेट में दर्द होने की बात बताई। इसके बाद डॉक्टर ने इंजेक्शन लगा दिया। महिला ने बताया कि इंजेक्शन लगाते ही उसका पेट फूलने लगा। दर्द और बढ़ गया। इसके बाद महिला को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहां महिला की हालत देखकर हायर सेंटर रेफर कर दिया।परिजन महिला को लेकर बराड़ा मेडिकल कॉलेज ले गए। वहां इलाज में काफी खर्च हुआ। महिला ने वहां ऑपरेशन करने से मना कर दिया। परिजन दिल्ली रोड स्थित एक निजी अस्पताल लेकर आ गए। जहां पर महिला का फिर से ऑपरेशन हुआ। ऑपरेशन के दौरान महिला के पेट से तौलिया निकाला गया। इस वजह से आंत फट गई। उसके बाद महिला को चंडीगढ़ भेजा गया।

सर्वोदय ज्ञान पब्लिक स्कूल में चल रही तीन दिवसीय अंत

सदन वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं का हुआ समापन

गौरव सिंघल । सिटी चीफ देवबंद । सहारनपुर, सर्वोदय ज्ञान पब्लिक स्कूल में चल रही तीन दिवसीय अंत सदन वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं का आज समापन हो गया। सभी प्रतियोगिताओं में स्थान पाने वाले बच्चों को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी। सहारनपुर रोड स्थित स्कूल परिसर में अंतिम दिन एल्फाबेट रेस, बेलून रेस, रिले रेस, पेयर रेस के अलावा गोला फेंक प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढकर भाग लिया। तीन दिन तक हुई प्रतियोगिताओं में आजाद सदन ने सर्वाधिक 22 पदक जीत कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि लक्ष्मी बाई सदन दूसरे और सुभाष सदन तीसरे स्थान पर रहे। समापन कार्यक्रम में स्कूल के प्रधानाचार्य रुपेश कुमार सैनी ने प्रतियोगिताओं के माध्यम से ही भविष्य के खिलाडियों का जन्म होता है। हमें अपने भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानकर आगे बढना चाहिए। इस मौके पर अनिता सैनी, शिवकुमार सैनी, वंदना ध्रुव, सुनिता चौधरी, संदीप धीमान, राजी शर्मा आदि मौजूद रहे।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की हुई मौत

पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, भायला रेलवे क्रासिंग के निकट एक युवक का खून से लथपथ शव पड़ा मिला है। मृतक की पहचान थाना शाहपुर जनपद मुजफ्फरनगर के 24 वर्षीय शाहरुख के रूप में हुई है। माना जा रहा है कि ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत हुई है। पुलिस ने मृतक युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भायला एवं कासिमपुरा रेलवे क्रासिंग के बीच ट्रैक पर युवक का शव पड़ा होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। मृतक की जेब से मिले कागजों से उसकी पहचान मुजफ्फरनगर थाना शाहपुर के गांव वजदाड़ा निवासी शाहरुख पुत्र फजलू के रुप में हुई है। पुलिस ने स्वजनों को सूचित करते हुए शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसपी देहात सागर जैन ने बताया कि प्रथम दृष्टिया ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत होना प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। फोरेंसिक यूनिट ने भी मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की है। मृतक मुजफ्फरनगर का रहने वाला है।

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देशन में कोतवाली पुलिस ने पांच वर्षों से गुम 23 वर्षीय युवती को परिजनों से मिलाया

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ । अनूपपुर, पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान के निर्देशानुसार जिले में गुमशुदा महिलाओं और पुरुषों की तलाश कर उन्हें उनके परिजनों से मिलवाने के अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पांच वर्षों से गुम 23 वर्षीय युवती को दस्तयाब कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है।

दिनांक 6 सितंबर 2019 को धोचीमूड़ा बिजुरी निवासी नेहरू सिंह गोड़ ने अपनी 19 वर्षीय पुत्री कमला सिंह गोड़ के गुम होने की सूचना कोतवाली अनूपपुर में दर्ज कराई थी। इस संबंध में गुमशुदगी रिपोर्ट क्रमांक 47/19 के तहत मामला पंजीबद्ध कर तलाश जारी थी।

कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद जैन के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक सतानंद कोल और आरक्षक पूर्णानंद मिश्रा ने अथक प्रयास करते हुए गुमशुदा युवती को थाना कोतमा अंतर्गत डिबरीटोला रेऊला से दस्तयाब किया। युवती को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के बाद उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

पांच वर्षों से बिछड़ी पुत्री को वापस पाने की खुशी में परिवार ने पुलिस की सराहना की और उनकी तत्परता एवं समर्पण के प्रति आभार व्यक्त किया।

अनूपपुर पुलिस का यह प्रयास समाज में पुलिस के प्रति विश्वास को और मजबूत करेगा।

एनुअल एग्जिबिशन एंड कार्निवल आर्टिस्ट एक्सपो का कार्यक्रम संपन्न

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ कोतमा, संत जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल में एनुअल एग्जिबशन एंड कानिर्वल अयोजित किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार के विज्ञान , सामाजिक विज्ञान ,गणित और साहित्य विषय पर मॉडल निर्माण कर प्रदर्शित किया गया । छात्र-छात्राओं द्वारा बनाए गए इन मॉडलों में कई विषयों को समाहित किया गया और छात्रों ने अपना बौद्धिक एवं शैक्षणिक क्षमता का प्रदर्शित करते हुए सभी को अपना मॉडल से संबंधित सैद्धांतिक व्याख्यान देकर प्रभावित किया साथ ही साथ विभिन्न प्रकार के व्यंजन के स्टाल भी लगाए गए जिसमें कई स्वादिष्ट भोजन एवं ब्रेकफास्ट ,फिल्टर फुड का निर्माण कर आंगतुम नागरिकों का स्वाद आनंद में किया गया, खेलकूद के विभिन्न स्टॉल भी लगाए गए जिसमें छोटे बच्चों के लिए मिकी माउस और जंपिंग प्लेट फॉर्म का भी व्यवस्था थी। छोटे बच्चों के लिए खेलकूद के कई मनोरंजक सामग्री भी उपलब्ध थी । यह एग्जिबिशन और मनोरंजन मेला का आयोजन बहुत ही सुंदर तरीके से व्यवस्थित किया गया । छात्र-छात्राओं ने अपने क्रियाकलाप और व्यवस्था का अनूठा परिचय दिया,इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मोती उर रहमान जी पुलिस अधीक्षक अनूपपुर उपस्थित रहे और विशिष्ट अतिथि के रूप में दिनेश चौहान कमांडिंग ऑफिसर 7 एमपी आई एन सीसी शहडोल और फादर सनी कुरुविला डीन शहडोल डायनेस्टी उपस्थित रहे कार्यक्रम को सफल रूप से संचालित करने के लिए उत्साह वर्धन हेतु सिस्टर आयरिन उपस्थिति रही,सभी अभिभावक गणो के समक्ष छोटे बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया उसकेबबाद केजी ब्लॉक के द्वारा बनाया गया प्रदर्शनी का मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा अवलोकन कर शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम प्रात: 10:30 से प्रारंभ होकर शाम 4:00 बजे तक चलता रहा, इस बीच सभी अभिभावक गण और बच्चे उत्साह पूर्वक इस कार्यक्रम से आनंदित हो रहे थे विद्यालय के इस कार्यक्रम में एक अभूत पूर्व प्रदर्शन स्केरी हाउस का रहा जिसमें भयानक और भय से युक्त मॉडल एवं अभिनय के द्वारा प्रस्तुत किया गया जिसे सभी अभिभावक और बच्चे ने बहुत अच्छे ढंग से सराहा यह स्केरी हाउस इस क्षेत्र के लिए प्रथम प्रयास रहा । जो की सफल पूर्वक आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि एवं प्रबंधन ने सभी शिक्षक शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओंके सक्रिय योगदान को एक ऐतिहासिक और सराहनीय उपलब्धि बताया कार्यक्रम की रूपरेखा एवं परिकल्पना को लेकर के प्राचार्य सिस्टर संगीता प्रिया का भरपूर योगदान रहा है।

नागौद शहर में नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित

200 नेत्र रोगियों को मिला लाभ

सुशिल सोनी । सिटी चीफ । सतना, विगत माह की भांति इस माह भी एसडीओपी कार्यालय के बगल से सदुरु नेत्र जांच केंद्र में शनिवार के दिन सूरज सिंह कोनी मित्र मंडली के तत्वाधान में 1 दिवसीय नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर सुबह 9 बजे शाम 5 बजे तक नागौद में आयोजित हुआ। सर्व प्रथम पूज्य संत रणछोड़दास जी महाराज के छाया चित्र में वरिस्ट समाजिक कार्यकर्ता नागेंद्र सिंह चांकुआ,अरुण प्रताप सिंह,महादेव त्रिपाठी,नरेंद्र गुप्ता , राजललन बागरी,समाजिक कार्यकर्ता सूरज सिंह कोनी, के द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस दौरान नागौद क्षेत्र 200 नेत्र रोगियों ने अपनी आंखों का कराया नेत्र परीक्षण।जिनमे से 31 नेत्र रोगियों को लेंस प्रत्यारोपण वास्ते सदुरु नेत्र चिकित्सा केंद्र चित्रकूट भेजा गया। साथ ही नेत्र रोगियों को आवश्यक दवाइया वितरित की गई एवम

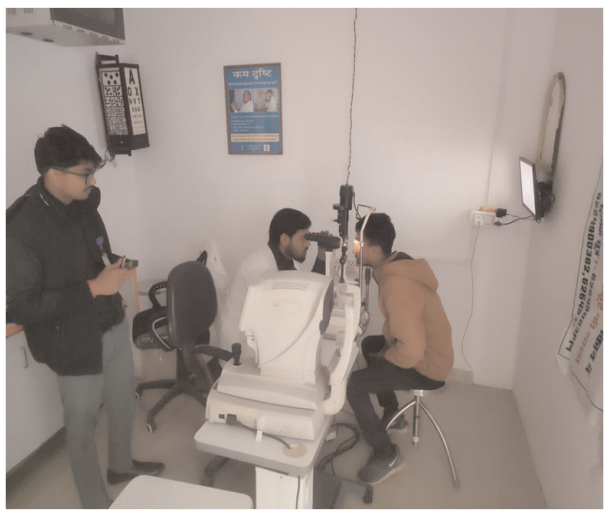

भोजन की बेवस्ता की गई । इस पूरे आयोजन में पिंटू तिवारी,प्रमोद शर्मा,धर्मेंद्र सिंह,अंकुर सिंह,शिवेंद्र सिंह, मोहित सिंह, मृगेंद्र शर्मा,अमर सिंह, शिब्बु शर्मा ,विकाश सिंह,विक्रम गर्ग,सुशील मिश्रा,मनोज डिम्हा, विनीत गुप्ता विक्रमादित्य गौतम,प्रिंस शर्मा,पियूष गौतम,अखिलेश दहायत,अक्षत शुक्ला,प्रिंस सेन,आदर्श त्रिपाठी, दीपक बागरी, राकेश गौतम,राजेश वर्मा,छोटू दहायत,राज कुशवाहा,विजय सिंह,के साथ नगर के लोगो का विशेष योगदान रहा।

ऐसे आयोजन युवाओं को ऊर्जा देते है - डॉ असित यादव

अपने पूर्वजों की राह पर चलकर समाज की सेवा करना मेरा पहला धर्म – डॉ अमित यादव

आदित्य द्विवेदी । सिटी चीफ

भिंड, स्थानीय बालक माध्यमिक विद्यालय परिसर में सी एच एस एप्पल हॉस्पिटल के तत्वाधान में डॉ अमित यादव के द्वारा अपने पूज्य पिता जी लाखन सिंह यादव एवं दादा जी की प्रेरणा से एक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया जिसमें ग्वालियर,इंदौर, दिल्ली से पधारे डॉक्टरों ने लोगो का परीक्षण किया गया इस स्वास्थ्य शिविर में मुख्य अतिथि लहार विधायक अम्बरीष शर्मा गुड्डू भैया, विशेष अतिथि भिंड पुलिस अधीक्षक डॉ असित यादव उपस्थित रहे. कार्यक्रम में सबसे पहले आयोजक लाखन सिंह यादव ने मुख्य अतिथि विधायक गुड्डू भैया,पुलिस अधीक्षक असित यादव का फूलमाला के साथ शाल श्रीफल देकर स्वागत किया गया इसके पश्चात मुख्य अतिथि की आसंदी से विधायक अम्बरीष शर्मा ने कहा कि कोहरा छट जाने के बाद ही तस्वीर साफ होती है। कोहरा से आगे की स्थिति स्पस्ट नही होती है कि आगे क्या है लेकिन लहार विधान सभा से कोहरा छट चुका है ओर चार साल में बचा कोहरा छट जाएगा उन्होंने कहा कि हमारे एक साल के कार्यकाल में किसी पर कोई झूठा मुकदमा दर्ज हुआ हो तो बताए में आपको भरोसा दिलाता हूं कि चार साल में आपकी कोई भी समस्या नही रहेगी. उन्होंने कहा कि आपने हमे जिस उद्देश्य से विधायक बनाया है में विश्वास दिलाता हूं कि आपकी हर एक समस्या का समाधान होगा और कहा कि हमारी सोच यह है कि लहार, दबोह,मिहोना के साथ क्षेत्र का मरीज जो परेशान होते है उन्हें एम्बुलेंस के द्वारा ग्वालियर ले जाकर एक अच्छे डॉक्टर यहां छोड़ कर उसका इलाज कराएंगे उन्होंने कहा कि आज जो स्वास्थ्य केम्प लगा है लहार क्षेत्र में इस से भी बड़े स्वास्थ्य शिविर डॉ अमित यादव से बात करके लगबायेंगे, जो संकल्प हमने लिया गो शाला बनाने का तो मिहोना,मच्छड में गोशाला के टेंडर लग चुके है और दबोह में भी जल्दी टेंडर लगेंगे किसी भी काम को धारा पर लाने में समय तो लगता है.इस अवसर पर भिंड पुलिस अधीक्षक ने जनता को सम्बोधित किया और कहा कि ऐसे आयोजनों से क्षेत्र के युवाओं को प्रेरणा मिलती है और युवाओं में उत्साह जागृत होता है तो वहीं एप्पल हॉस्पिटल के संचालक डॉ अमित यादव ने कहा कि हमारे दादा जी ओर पूज्य पिता जी की प्रेरणा से हमें क्षेत्र के हर उस जरूरत मंद की निस्वार्थ भाव से मदद करना है जो इसका हकदार है और प्रत्येक हकदार ओर जरूरत मंद की हरसंभव मदद भी मेरे द्वारा ईश्वर के आशीर्वाद से किए जाने का प्रयास मेरे द्वारा किया जाएगा इस अवसर पर दबोह मंडल अध्यक्ष देवेंद्र उपाध्याय, सुभाष अग्निहोत्री मंडल अध्यक्ष लहार,आलमपुर मंडल अध्यक्ष धीरज सिंह कौरव, नगर परिषद अध्यक्ष विमला नरेंद्र दुधारिया,वरिष्ठ समाज सेवी राजेंद्र सिंह गुर्जर,केशव जी गुप्ता,राममोहन मुद्गल,महामंत्री राव सहाब गुर्जर, महामंत्री रविंद्र चिकवा,पूर्व महामंत्री जसवंत दोहरे,राजेन्द्र यादव,ब्रजेंद्र गुर्जर,पार्षद जगमोहन तेहरिया,पूर्व पार्षद शेरे पठान,सुशील गोस्वामी,कल्याण सिंह कानूनगो,रामप्रकाश खेमरिया,अखलेश उदेनिया, आदि लोग मौजूद रहे इस स्वास्थ्य शिविर में हजारों लोगों ने अपना स्वास्थ परीक्षण किया साथ दबाए दी गई इस शिविर में आंख,गला,कान,हड्डी विशेषज्ञ, केंसर,शुगर के जैसी बीमारियों का उपचार किया गया क्षेत्र के मरीजों ने डॉ अमित यादव एवं उनकी पूरी टीम को खुले मन से आशीर्वाद प्रदान किया।

जो व्यक्ति 01 जनवरी 2025 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं,वे अपना नामवोटर लिस्ट में जुड़वायें - कलेक्टर कोचर

ऑनलाइन पोर्टल या वोटर हेल्पलाईन एप या फार्म-06 भरकर नाम जुड़वा सकेंगे

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ । दमोह, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा आयोजित वीडियो कांफ्रेंस में दिये गये निर्देशानुसार 01 जनवरी 2025 की अर्हता तिथि के आधार पर फोटो निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 के दौरान 15 दिसम्बर 2024 अंतिम दिन तक जिले के प्रत्येक मतदान केंद्र पर नियुक्त बीएलओ के द्वारा 18-19 आयु वर्ग के युवा भावी निर्वाचको/छुटे हुए पात्र मतदाताओ के नाम, निर्वाचक नामावली में जोड़े जाने/हटाने/संशोधन हेतु की कार्यवाही संपादित की जा रही है। जिस आधार पर 06 जनवरी 2025 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जावेगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुधीर कुमार कोचर ने जिले के आम नागरिकों से आग्रह करते हुये कहा है कि 15 दिसम्बर 2024 तक जो व्यक्ति 01 जनवरी 2025 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे है, वे अपना नाम वोटर लिस्ट में जुड़वाने

हेतु बी.एल.ओ. के माध्यम से या आयोग द्वारा जारी ऑनलाइन पोर्टल https://voters.eci.gov.in, https://nvsp.in Œæ voterhelpline App (Playstore available) के माध्यम से फार्म नं.-6 भरकर नाम जुड़वा सकते है। जिनके नाम पूर्व से ही सूची में है तथा उनका मतदान केन्द्र या विधानसभा, जिला इत्यादि बदल गया हो, वे भी नवीन स्थल पर नाम जुड़वाने की कार्यवाही कर सकते है।

उन्होंने कहा पुराने स्थान से नाम हटाने हेतु फार्म नं.-7 भरना होगा तथा जिनके नाम मतदाता सूची में पहले से हैं और वो किसी प्रकार का संशोधन करवाने चाहते हैं, तो उसके लिए फॉर्म नं.-8 भरकर संशोधन की कार्यवाही कर सकते हैं।

निर्धारित समय सीमा में सत्यापन सह सर्वे कराया जाकर, सर्वे रिर्पोट संबंधित मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत

मुख्य नगर पालिका अधिकारी को 20 दिसम्बर तक पृथक-पृथक उपलब्ध कराई जाये - कलेक्टर कोचर

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ

दमोह, भारत सरकार एवं राज्य शासन के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं सेवाओं के लाभ उनके पात्र हितग्राहियों तक समय-सीमा में पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में 11 दिसम्बर से 26 जनवरी 2025 तक ''मुख्य मंत्री जनकल्याण अभियान'' का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के दौरान चि?न्हित योजनाओं एवं सेवाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभ प्रदान कर शत प्रतिशत सैचुरेशन लाया जाना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जिले के समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास से कहा है कि मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान अंतर्गत आयुष्मान भारत योजना (आयुष्मान कार्ड 70+) एवं दिव्यांगता प्रमाण पत्र में जिले में अनिवार्य रूप से शत प्रतिशत सेचुरैशन लाये जाने के उद्देश्य से जिले के समस्त ग्रामों/वार्डों (ग्रामीण / शहरी क्षेत्र) में प्रथम चरण में 20 दिसम्बर 2024 तक ग्राम पंचायत/वार्ड स्तरीय अमले (ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, आंगनवाडी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, ए.एन.एम.) के द्वारा संयुक्त रूप से सत्यापन सह सर्वे कराया जाना है। इस हेतु आपको ग्राम/वार्ड से संबंधित सूची प्रेषित कराई जा रही है, जिसके अनुसार निर्धारित समय सीमा में सत्यापन सह सर्वे कराया जाकर, सर्वे रिर्पोट संबंधित मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत / मुख्य नगर पालिका अधिकारी को 20 दिसम्बर 2024 तक पृथक-पृथक उपलब्ध कराई जाये।

तदोपरांत सत्यापन सह सर्वे कार्य में चि?न्हांकित हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड एवं दिव्यांगता प्रमाण पत्र कार्ड बनाये जाने का कार्य 23 दिसम्बर 2024 से समस्त ग्रामों/वार्डों में नियमित रूप से टीम को भेजकर 25 जनवरी 2025 तक सेचुरैशन का कार्य कराया जायेगा।

छत्तीसगढ़ में 7 राइस मिलों पर कार्रवाई

एसोसिएशन अध्यक्ष के करीबी की मिल भी सील

राजीव खरे । सिटी चीफ

रायपुर, छत्तीसगढ़ में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने सख्त कदम उठाते हुए 7 राइस मिलों को सील कर दिया है। इन मिलों पर अनियमितताओं और सरकारी नियमों के उल्लंघन का आरोप है। इस कार्रवाई में राज्य राइस मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेश अग्रवाल के करीबी प्रमोद जैन की मिल भी शामिल है, जिससे मामला और चर्चा में आ गया है। खाद्य विभाग के अनुसार, इन राइस मिलों में चावल की क्वालिटी, स्टॉक में हेरफेर, और सरकारी कोटा चावल की गड़बड़ी जैसे गंभीर आरोप पाए गए हैं। विभागीय अधिकारियों ने छापेमारी के दौरान कई अनियमितताएं दर्ज कीं। एक अधिकारी ने कहा, जांच में पाया गया कि कई मिलें तय मापदंडों का पालन नहीं कर रही थीं और स्टॉक में गड़बड़ी कर रही थीं। प्रमोद जैन की राइस मिल का सील होना खासतौर पर चर्चा का विषय बना हुआ है क्योंकि वह एसोसिएशन अध्यक्ष योगेश अग्रवाल के करीबी माने जाते हैं। जैन पर भी स्टॉक में गड़बड़ी और सरकारी नियमों का उल्लंघन करने के आरोप हैं। राइस मिलर्स एसोसिएशन ने इस कार्रवाई को लेकर नाराजगी जाहिर की है। अध्यक्ष योगेश अग्रवाल ने इसे राजनीतिक और एकतरफा कार्रवाई बताया है। उन्होंने कहा, हम सभी नियमों का पालन कर रहे हैं। अगर कुछ कमियां थीं, तो हमें सुधार का मौका दिया जाना चाहिए था। यह कार्रवाई जानबूझकर हमारी छवि खराब करने के लिए की गई है। खाद्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई पूरी तरह निष्पक्ष और नियमों के आधार पर की गई है। एक अधिकारी ने कहा, किसी भी मिल को जानबूझकर निशाना नहीं बनाया गया है। अनियमितताओं के आधार पर ही यह कदम उठाया गया है। खाद्य विभाग ने संकेत दिए हैं कि यह अभियान जारी रहेगा और अन्य राइस मिलों की भी जांच की जाएगी। दोषी पाए जाने पर उन्हें भी सील किया जा सकता है। इस कार्रवाई ने राज्य में राजनीतिक गर्मी बढ़ा दी है। विपक्ष ने इसे राज्य सरकार की नाकामी का पर्दाफाश बताया है, जबकि सत्ताधारी दल का कहना है कि यह कदम पारदर्शिता और नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। ग्रामीण और किसान इस कार्रवाई का समर्थन कर रहे हैं। उनका कहना है कि मिलों की अनियमितताओं के कारण सरकारी योजनाओं के लाभ सही तरीके से नहीं पहुंच रहे थे। अब देखना यह होगा कि यह कदम राज्य में चावल आपूर्ति और खाद्यान्न प्रणाली को कितना सुधार पाता है।

छत्तीसगढ़ के जुराली गांव के लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण का किया विरोध...मुआवजे की मांग पर अड़े

राजीव खरे । सिटी चीफ

कोरबा, छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के जुराली गांव में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण को लेकर स्थानीय ग्रामीणों का विरोध बढ़ता जा रहा है। रविवार को बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सड़क निर्माण कार्य को रोकते हुए मुआवजे की मांग की। उनका कहना है कि सरकार और प्रशासन द्वारा भूमि अधिग्रहण के बदले उन्हें उचित मुआवजा नहीं दिया गया है।

ग्रामीणों का आरोप है कि उनकी जमीनें बिना उचित प्रक्रिया के अधिग्रहित कर ली गईं, जिससे उनकी आजीविका पर संकट आ गया है। जुराली गांव के किसान रामलाल ने बताया, हमने अपनी पुश्तैनी जमीन सरकार को दी, लेकिन बदले में हमें न तो पर्याप्त मुआवजा मिला और न ही किसी पुनर्वास की योजना बताई गई।

गांववालों ने रविवार को सड़क निर्माण स्थल पर एकत्र होकर काम को पूरी तरह से रोक दिया। उन्होंने मशीनों को हटाने की मांग की और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जाएंगी, तब तक वे सड़क निर्माण कार्य नहीं होने देंगे। इस मुद्दे पर प्रशासन का कहना है कि मुआवजे का वितरण प्रक्रिया में है और जल्द ही ग्रामीणों को राशि प्रदान की जाएगी। कोरबा जिला कलेक्टर ने कहा, हम ग्रामीणों की मांगों को गंभीरता से ले रहे हैं। मुआवजे में देरी कुछ तकनीकी कारणों से हुई है, लेकिन इसे जल्द सुलझा लिया जाएगा।

राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना छत्तीसगढ़ को बेहतर सड़कों और तेज यातायात सुविधाओं से जोड़ने के उद्देश्य से बनाई जा रही है। लेकिन जुराली गांव में विरोध के चलते इसका काम ठप हो गया है, जिससे प्रोजेक्ट की समयसीमा पर असर पड़ सकता है।

ग्रामीणों ने सरकार से निम्नलिखित मांगें रखी हैं- सभी प्रभावित लोगों को उचित मुआवजा तुरंत दिया जाए।पुनर्वास के लिए वैकल्पिक जमीन या घर की व्यवस्था की जाए।भूमि अधिग्रहण में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए।

जुराली गांव का यह विरोध छत्तीसगढ़ में भूमि अधिग्रहण और मुआवजा प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर रहा है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन और सरकार किस तरह से इस विवाद का हल निकालती है और राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना को समय पर पूरा कर पाती है या नहीं।

त्रिमूर्ति नगर में सात दिवसीय शिव पुराण कथा अंतर्गत शोभायात्रा निकाली गई

धार

धार। स्थानीय भोज नगर में सात दिवसीय श्री शिव पुराण कथा का आयोजन किया गया है जो 20 दिसंबर 2024 तक मां दुर्गा मंदिर भोज नगर धार परिसर में प्रतिदिन दोपहर 1ः00 बजे से सायं 4ः00 तक प्रतिदिन की जावेगी जिसमें मानव माटी के प्रसिद्ध संत श्री निर्मल पुरी जी गोस्वामी महू गांव वाले के मुखारविंद से कथा का वाचन होगा।

कथा के पहले दिन संत श्री निर्मल पुरी जी गोस्वामी की अगुवाई में जयप्रकाश त्रिपाठी मुख्य यजमान तथा मां दुर्गा सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित श्री शिव पुराण महाकथा अंतर्गत शिव भक्तों द्वारा शोभा यात्रा त्रिमूर्ति नगर में निकाली गई, जिसमें महिलाएं अपने सिर पर कलश लेकर चल रही थी। वही शिव भक्ति में भाव भक्ति होकर महिलाएं नृत्य करते हुए भी चल रही थी।शोभा यात्रा का त्रिमूर्ति नगर में जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं एवं पुरुषों ने भाग लिया उक्त जानकारी ज्ञानेंद्र त्रिपाठी ने दी।

हनुमान अष्टमी पर नरेडी हनुमान पहुंचेगी यात्रा

उज्जैन

सनातन धर्म के ध्वजवाहक छत्रपति शिवाजी महाराज के गुरु समर्थ स्वामी रामदास जी महाराज के द्वारा प्रतिष्ठित एवं स्थापित नरेड़ी हनुमान जी का अति प्राचीन मंदिर सनातन धर्मावलंबियों व हनुमान भक्तों के लिए तीर्थ स्थल है अति प्राचीन हिंदुत्व की धरोहर को क्षेत्र के सनातनियों से जोड़ने एवं मंदिर के अतिप्राचीन महत्व से परिचित कराने के उद्देश्य से जय महादेव भक्त मंडल द्वारा श्री श्री 1008 नैष्ठिक ब्रह्मचारी स्वामी कृष्णानंद जी महाराज (माँबगलामुखी आश्रम) के मार्गदर्शन में व शिव हनुमान मंदिर आचार्य पंडित ओम नारायण उपाध्याय के नेतृत्व में हनुमान अष्टमी के पावन अवसर 23 दिसंबर सोमवार को नागदा स्थित शिव हनुमान मंदिर से खाचरोद होते हुए नरेड़ी हनुमान जी के मंदिर तक की 25 किलोमीटर की ध्वजा पदयात्रा का आयोजन लगातार द्वितीय वर्ष में किया जा रहा है आज इसी संदर्भ में जय महादेव भक्त मंडल के सदस्य व ग्राम नरेड़ी, नरेड़ी पाता, कनवास, खंडवा, रूनखेड़ा थड़ौदा बोरदिया आदि क्षेत्रों के राम भक्तों ने नरेड़ी हनुमान जी के चरणों में आमंत्रण पत्र प्रदान कर यात्रा निर्विघ्न संपन्न कराने की प्रार्थना की । इस अवसर पर यात्रा संयोजक सुबोध स्वामी ओम प्रकाश मौर्य रवि चौहान आरसी विश्वकर्मा कैलाश भनोपिया, भारत सिंह चौहान, लोकेंद्र सिंह पंवार राधेश्याम सेन, रामेश्वर चौधरी पुखराज गुर्जर गट्टू सिंह जी नारायण सिंह चौहान मुकेश परिता कैलाश जोशी सोहन पंड्या मेहरबान सिंह गोहिल सम्राट चौधरी किशन लाल ट्रेलर युवराज सिंह सुरेश जोशी आदि उपस्थित है !

नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन 128 प्रकरणों का निराकरण 57 लाख से ज्यादा राशि की वसूली

थांदला न्यायालय ने समझौता कर दो दम्पत्ति को मिलाया

झाबुआ थांदला थांदला गजेंद्र नायक राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार एवं न्यायाधीश श्रीमती विधि सक्सेना, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ के मार्गदर्शन में शनिवार को स्थानीय थांदला न्यायालय परिसर में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत खण्डपीठ क्रमांक 14.15 के प्रथम श्रेणी न्यायाधीश द्वय सचिन कुमार जाधव, अब्दुल सईद चौधरी के मार्गदर्शन में दोनों ही न्यायालय में कुल 88 लम्बित मामलों का निराकरण किया गया जिसमें 03 सिविल वाद एवं धारा-138 परकाम्य लिखत अधिनियम के 12 प्रकरण एवं 60 मामले नियमित आपराधिक प्रकरण एवं 13 विविध प्रकरणों का निराकरण किया गया कुल 275 पक्षकार लाभान्वित हुवे। सुलहकर्ता पक्षकारों को भेंट स्वरूप पर्यावरण सुरक्षा के रूप में पौधें प्रदान किये गये। इस दौरान बैंको एवं नगर परिषद के भी 122 प्रकरणों का निराकरण किया गया जिसमें कुल राशि 57 लाख 95 हजार 485 रूपये की वसूली की गई। इस तरह कुल 128 पक्षकार लाभान्वित हुवे।

थांदला न्यायालय ने दो दम्पति को मिलाया प्रार्थिया शारदा विरूद्ध दयाल की ओर से दोनो अधिवक्ता आंद्रेयास मेड़ा व धर्मेन्द्र देवल के साथ माध्यस्थता करने वालें संजय पंजल अधिवक्ता ने प्रार्थिया शारदा और दयाल दोनों पति- पत्नि को समझाईस देकर समझौता करवा गया इसी तरह प्रार्थिया गली विरूद्ध गलिया की और से संजय पंजल अधिवक्ता ने मिडिएटर के रूप में दोनों पक्षकारों को समझाया जिसमें न्यायालय के प्रयास से उभयपक्षों के मध्य स्वेच्छया से समझौता हुआ। समझौता होने से पक्षकारों को भी भेंट स्वरूप पौधा प्रदान किया गया।

लोक अदालत में 22 प्रकरणों का हुआ निराकरण

उज्जैन

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उज्जैन के निर्देशानुशार तहसील विधिक सेवा समिति खाचरोद द्वारा न्यायालय परिसर खाचरोद में नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रातः 11.00 बजे जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश शोएब खान, शैफाली सिंह व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 2, व्यवहार न्यायाधीश पंकज बुटानी द्वारा दीप प्रज्वलित, माल्यार्पण कर एवं अभिभाषक संघ खाचरोद के अध्यक्ष प्रवीण पंड्या, अभिभाषक विद्युत मंडल कनिष्ठ यंत्री शशि रंजन, उपेंद्र कुमार, संजय मालवीय तथा नगरपालिका खाचरोद के समस्त पदाधिकारीगण एवम् न्यायालय खाचरोद के कर्मचारीगण द्वारा सरस्वती पूजन एवं माल्यार्पण कर लोक अदालत का शुभारंभ किया गया। नगर पालिका खाचरोद के शुभारंभ कार्यक्रम में न्यायालय के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

आयोजित नेशनल लोक अदालत में अपर जिला एवं सत्र न्यायालय मे, हिन्दू विवाह अधिनियम के 6 , सिविल एमजेसी प्रकरण 01, अपील प्रकरण 01, क्लेम प्रकरण 02 एवं विधुत अधिनियम के 12 , इस प्रकार कुल 22 प्रकरणों का निराकरण किया गया। न्यायाधीश शैफाली सिंह के न्यायलय के कुल 39 प्रकरण का निराकरण किया गया। पंकज बुटानी व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 2 के न्यायालय के कुल 31 प्रकरणों का निराकरण किया गया। नगर पालिका जलकर व दुकान किराया, जलकर, दूर संचार विभाग व बैंक रिकवरी के प्रिलिटिगेशन 610 प्रकरण में से 52 प्रकरणों का निराकारण हुआ, जिसमें 1616761 रुपये, विधुत विभाग के 270 प्रिलिटिगसन्न प्रकरण में 33 का निराकारण किया गया जिसमे 293000 रुपये प्राप्त हुए। इस प्रकार न्यायालय में लम्बित प्रकरणों में से 92 प्रकरणों का निराकरण किया गया ।

राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत जिले में शतप्रतिशत हुआ सीमांकन और परंपरागत रास्तों का चिन्हांकन

नरसिंहपुर

अन्य राजस्व संबंधी प्रकरणों का हो रहा निराकरण

राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत जिले में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी द्वारा जिले में राजस्व प्रकरणों के निराकरण का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान 14 दिसम्बर तक सीमांकन संबंधी कार्य शतप्रतिशत किया जा चुका है। इसी तरह जिले में शतप्रतिशत परंपरागत रास्तों का चिन्हांकन राजस्व विभाग द्वारा किया जा चुका है। वहीं दूसरी नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरस्ती, नक्शा अद्यतन, आधार से आरओआर खसरे की लिंकिंग, फार्मर रजिस्ट्री के कार्य किये जा रहे हैं। राजस्व महाअभियान 3.0 के अंतर्गत 14 दिसम्बर तक जिले में सीमांकन संबंधी शतप्रतिशत 61 प्रकरणों का निराकरण किया गया। तहसील करेली में 2, नरसिंहपुर में 24, गाडरवारा में 16, तेंदूखेड़ा में 9 व गोटेगांव में 2 और सांईखेड़ा में 8 सीमांकन किया जा चुका है, जो शतप्रतिशत है। वहीं दूसरी ओर शतप्रतिशत परंपरागत रास्तों का चिन्हांकन किया जा चुका है, जिसमें तहसील गाडरवारा में एक, करेली में 3, तेंदूखेड़ा में एक, नरसिंहपुर में एक और सांईखेड़ा में 2 परंपरागत रास्तों का चिन्हांकन किया जा चुका है। नामांतरण के 864, बंटवारा के 124, अभिलेख दुरूस्ती के 58, सीमांकन के 61, नक्शा अद्यतन के 47 हजार 27, आधार से आरओआर खसरे की 18 हजार 808 की लिंकिंग का कार्य किया जा चुका है। वहीं दूसरी ओर 8 परम्परागत रास्तों का चिन्हांकन किया जा चुका है। जिले में नामांतरण 98.74 प्रतिशत, बंटवारा 98.41 प्रतिशत, अभिलेख दुरूस्ती 80.56, सीमांकन 100 प्रतिशत और परंपरागत रास्तों का 100 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल की है। राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत जिले में नामांतरण के 864 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है, जो 98.74 प्रतिशत है। इसके तहत तहसील करेली में 61, गोटेगांव में 183 व तेंदूखेड़ा में 138 शतप्रतिशत कार्य किया जा चुका है। वहीं दूसरी ओर तहसील सांईखेड़ा में 57 जो 98.28 प्रतिशत, गाडरवारा में 257 जो 96.98 प्रतिशत और नरसिंहपुर में 168 जो 98.82 प्रतिशत है। इसी तरह बंटवारा के 124 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है, जो 98.41 प्रतिशत है। इसके तहत तहसील गोटेगांव में शतप्रतिशत 12, नरसिंहपुर में शतप्रतिशत 34 व करेली में शतप्रतिशत 25, सांईखेड़ा में 19 जो 95 प्रतिशत और गाडरवारा में 34 जो 97.14 प्रतिशत है। अभिलेख दुरूस्ती के 58 प्रकरणों का निराकरण गया है, जो 80.56 प्रतिशत है। इसके तहत तहसील नरसिंहपुर में शतप्रतिशत 6, करेली 6 जो 66.67 प्रतिशत, गाडरवारा में 37 जो 80.43 प्रतिशत, सांईखेड़ा में 4 जो 80 प्रतिशत और तेंदूखेड़ा में 5 जो 83.33 प्रतिशत है। राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत 47 हजार 27 नक्शा अद्यतन किया जा चुका है, जिसमें तहसील करेली में 7 हजार 235, नरसिंहपुर में 9 हजार 420, गोटेगांव में 8 हजार 143, सांईखेड़ा में 5 हजार 499, गाडरवारा में 11 हजार 397 और तेंदूखेड़ा में 5 हजार 333 शामिल हैं। इसी तरह 18 हजार 808 आधार से आरओआर खसरे लिंकिंग की जा चुकी है, जिसमें तहसील नरसिंहपुर में 4 हजार 403, सांईखेड़ा में 2 हजार 93, गाडरवारा में 5 हजार 143, गोटेगांव में एक हजार 457, करेली में 4 हजार 842 और तेंदूखेड़ा में 870 आधार से आरओआर खसरे की लिंकिंग का कार्य किया जा चुका है।

राज्य पात्रता परीक्षा का हुआ आयोजन

4303 विद्यार्थियों में से 3041 विद्यार्थी हुए परीक्षा में सम्मिलित

खरगोन

मध्य प्रदेश पीएससी द्वारा आयोजित राज्य पात्रता परीक्षा का आयोजन 15 दिसंबर 2024 को जिला मुख्यालय के 11 परीक्षा केंन्द्रो पर किया गया। इन केंद्रों पर दर्ज कुल परीक्षार्थी 4303 में से 3041 विद्यार्थी परीक्षा में उपस्थित हुए एवं 1262 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। आयोग द्वारा नियुक्त ऑब्जर्वर श्री प्रभात पाराशर सेवानिवृत्त आईएएस द्वारा सभी परीक्षा केंद्रों एवं स्ट्रॉग रूम का निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण में उनके द्वारा परीक्षा के लिए की गई व्यवस्था के लिए हर्ष व्यक्त किया गया। कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा द्वारा परीक्षा सुचारु रूप से संचालित करने के लिए संयुक्त कलेक्टर श्री सत्यनारायण दर्रे एवं एसडीएम श्री बीएस कनेश को निर्देशित किया गया था। जिनके प्रयासो से सभी परीक्षा केंद्रों पर उत्कृष्ट व्यवस्था की गई थी। परीक्षा के सफल आयोजन में सहायक आयुक्त श्री प्रशांत आर्य, जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री अश्विन गुप्ता, श्री नरेंद्र सोनवानी के प्रयासों

पर कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने प्रसन्नता व्यक्त की।

जिले में आयोजित होगा प्री नेशनल खो-खो कोचिंग कैंप

जनजाति कार्य विभाग के खिलाड़ी गढ़ रहे उपलब्धियों के नए आयाम

खरगोन स्कूल फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित शालेय खेलकूद प्रतियोगिता में जिले के जनजातीय कार्य विभाग के खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहे हैं। कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा के मार्गदर्शन में एवं सहायक आयुक्त श्री प्रशांत आर्य के योजनागत प्रयासों से जिले का खेल ग्राफ निरंतर बढ़ रहा है। सहायक आयुक्त श्री आर्य द्वारा विभागीय व्यायाम, शिक्षकों की कार्यशाला आयोजित कर फिटनेस टेस्ट लिया गया तथा प्रतिदिन अपने खेल को खेल प्रशिक्षण के सत्र को सुबह एवं शाम को व्हाट्सएप ग्रुप पर डालने के निर्देश दिए गए। सतत निरीक्षण एवं जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री अश्विन गुप्ता द्वारा किए जा रहे सभी तरह के सहयोग योजना बनाकर कार्य करने की सलाह के तहत विभाग खेलों में नई ऊंचाइयां प्राप्त कर रहा है।

ये रही विभागीय उपलब्धियां जिले की संस्थाओं के लगभग 200 छात्र छात्राएं जनजाति कार्य विभाग मध्य प्रदेश के दल में सम्मिलित होकर शालेय राज्य में सहभाग कर चुके हैं। जिले से अंतरराष्ट्रीय खेल नेटबॉल में जिले की छोटी सी संस्था हाई स्कूल काकड़दा से 40 बच्चे शालेय प्रतियोगिता में सम्मिलित हुए। जिसमें दो छात्र-छात्राएं राष्ट्रीय प्रतियोगिता की मुख्य टीम में एवं तीन छात्र-छात्राएं अतिरिक्त खिलाड़ी के रूप में दल में चयनित हुए हैं। यह खिलाड़ी विवेक वासुनिया, विनीता कमलेश, नमन महेंद्र ,ऋषभ राजू, चांदनी भेरुसिंह है। इसी प्रकार नेटबॉल में शासकीय सीएम राइज टेमला के अंतिम कैलाश एवं कृष्ण गुलाबचंद का चयन मुख्य खिलाड़ी के रूप में एवं कुंदन कुँवरसिंह का चयन अतिरिक्त खिलाड़ी के रूप में राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिये हुआ है। इसी तरह सेगांव के सीएम राईज विद्यालय में चल रहे निरंतर खो खो के प्रशिक्षण के कारण छात्र अक्षय संतोष गुप्ता एवं ललित राजेश चौहान का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता हेतु हुआ है। साथ ही मध्यप्रदेश दल का प्री नेशनल कोचिंग कैंप खो खो मिनी वर्ग का जनजाति कार्य विभाग खरगोन को दिया जाकर राष्ट्रीय प्रतियोगिता कोल्हापुर महाराष्ट्र में मध्यप्रदेश के दल को सम्मिलित करवाने का दायित्व प्रदान किया गया है। उक्त खो खो विद्या का दायित्व जिले को प्रथम बार प्राप्त हुआ है। जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री अश्विन गुप्ता को जनरल मैनेजर के रूप में एवं श्री भास्कर पाटील को कोच के रूप में सम्मिलित किया जाना जिले की बड़ी उपलब्धि है। श्री गुप्ता ने बताया कि अभी बहुत सी विधाओं की राष्ट्रीय प्रतियोगिता हेतु चयन सूची आकर शेष है। जिसमें और भी खिलाड़ियों का चयन होगा। छात्रों की इस उपलब्धि पर कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा, अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर, उपा युक्त श्री बृजेश पांडे, सहायक आयुक्त श्री प्रशांत आर्य ने खिलाड़ियों एवं उनके कोच दीपक वाघ, आनंद जोशी काकड़दा ,भास्कर पाटील के साथ उनके प्राचार्य श्री अशोक सिंह पंवार, श्री उपाध्याय एवं श्री संदीप कापड़निस को बधाई प्रेषित की है।

विश्व हिन्दू परिषद् परमहंस संत शिरोमणि श्री सियाराम बाबा को अर्पित करेगा श्रद्धांजलि

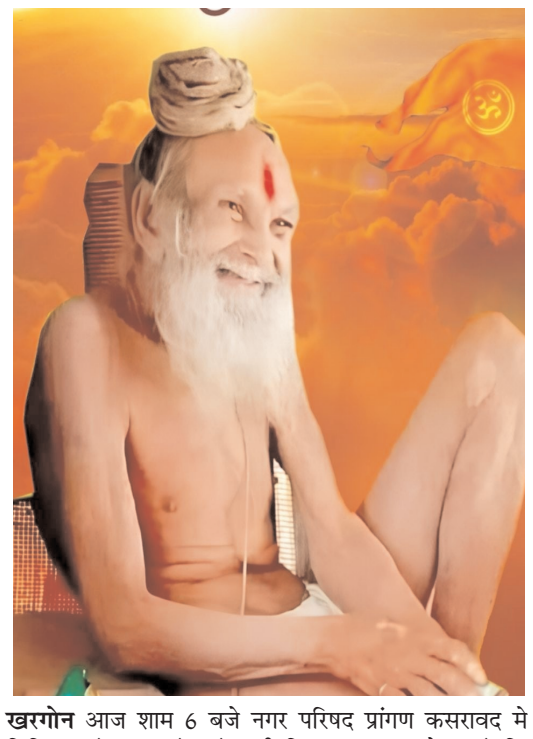

खरगोन आज शाम 6 बजे नगर परिषद प्रांगण कसरावद मे विहिप प्रखंड परमहंस संत श्री सियाराम बाबा को श्रद्धांजलि अर्पित करेगा। प्रखंड मंत्री दीपक कुशवाह ने कहा कि विश्व विख्यात परमहंस संत शिरोमणि बाबा सियाराम ने मोक्षदा एकादशी एवं गीता जयंती को सुबह 6 बजकर 10 मिनट पर ब्रह्मलीन हो गए समूचे निमाड़ के निर्गुण तपस्वी संत सियाराम बाबा 100 वर्षों की अधिक आयु प्राप्त कर बाबा ने अपने संततत्त्व और आध्यात्मिक साधना से असंख्य श्रध्दालुओं के जीवन को आलोकित किया जिन्होंने ने अपने तप,त्याग और निस्वार्थ सेवा से समूचे क्षेत्र को आध्यात्मिक चेतना से भर दिया !जिन्होंने ने लोकमंगल को अपना धर्म और परोपकार को अपना कर्म माना ऐसे संत शिरोमणि को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आप से अनुग्रह करते है

एंकर की गलती पड़ी भारी ! अब न्यूज चैनल ट्रंप को देगा 127 करोड़ का मुआवजा

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ गलत बयान देना एक न्यूज एंकर व चैनल को भारी पड़ गया। ट्रंप द्वारा दायर मानहानि के मुकदमे में न्यूज चैनल ABC ने 15 मिलियन डॉलर (लगभग 127.5 करोड़) का भुगतान करने और समझौते पर सहमति जताई है।

क्या था विवाद?

ABC न्यूज के एंकर जॉर्ज स्टेफानोपोलोस ने अपने शो में यह दावा किया था कि ट्रंप को एक लेखिका द्वारा लगाए गए रेप के मामले में दोषी ठहराया गया है। इस बयान को लेकर ट्रंप ने चैनल पर मानहानि का मुकदमा दायर किया। समझौते के तहत, ABC न्यूज 15 मिलियन डॉलर ट्रंप की प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी को देगा और 1 मिलियन डॉलर ट्रंप के वकीलों की कानूनी फीस के रूप में चुकाएगा। इसके अलावा, चैनल अपनी वेबसाइट पर माफी का नोट प्रकाशित करेगा। ABC न्यूज ने कहा, हम खुश हैं कि दोनों पक्ष अदालत के बाहर एक समझौते पर सहमत हुए। यह हमारे लिए इस विवाद को समाप्त करने का सही कदम है। इस मामले में जूरी ने माना कि ट्रंप का व्यवहार ऐसा था जिसे आम भाषा में रेप कहा जा सकता है, लेकिन न्यू यॉर्क के कानून के तहत रेप की तकनीकी परिभाषा के अनुसार उन्हें दोषी नहीं ठहराया गया।

लेखिका और ट्रंप विवाद का इतिहास

इससे पहले, लेखिका ने ट्रंप पर यौन शोषण का आरोप लगाया था। इसके जवाब में ट्रंप ने उन्हें झूठा कहा था, जिसके बाद लेखिका ने अलग से मानहानि का मुकदमा दायर किया। इस मामले में ट्रंप पर 5 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया गया था। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पूर्व विदेश नीति सलाहकार रिचर्ड ग्रेल को विशेष अभियानों का दूत नियुक्त किया है। रिचर्ड ग्रेल, ट्रंप के पहले कार्यकाल में जर्मनी के राजदूत, सर्बिया-कोसोवो शांति वार्ता के विशेष दूत, और राष्ट्रीय खुफिया विभाग के कार्यवाहक निदेशक के रूप में काम कर चुके हैं। ट्रंप ने एक पोस्ट में कहा, रिचर्ड वेनेजुएला और उत्तर कोरिया जैसे प्रमुख अभियानों में नेतृत्व करेंगे। इस समझौते से ट्रंप को अपनी प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी के लिए बड़ी धनराशि मिली है, वहीं एबीसी न्यूज को अपनी गलती की कीमत चुकानी पड़ी।

आसान नहीं थी वर्ल्ड चेस चैंपियन बनने की राह

बेटे के खेल के लिए पिता को दोस्तों तक से उधार लेने पड़े पैसे

नेशनल डेस्क. 18 साल के डोम्माराजू गुकेश ने इतिहास रचते हुए चेस के सबसे बड़े खिताब वर्ल्ड चेस चैंपियन को अपने नाम कर लिया है। वे अब दुनिया के सबसे युवा चेस चैंपियन बन गए हैं। हालांकि, यह सफलता रातों-रात नहीं आई। इसमें उनकी कड़ी मेहनत, संघर्ष और परिवार का समर्थन शामिल है। इस युवा चेस खिलाड़ी ने अपने जीवन के कई सपनों को चेस के लिए समर्पित किया और इसके लिए काफी बलिदान भी दिए।

शुरुआत में संघर्ष

गुकेश का चेस करियर 2018 में जबरदस्त उतार-चढ़ाव का सामना कर रहा था। उसी साल उन्होंने एशियन यूथ चेस चैंपियनशिप में पांच गोल्ड मेडल जीते और अंडर-12 वर्ल्ड यूथ चेस चैंपियनशिप भी जीती। लेकिन इसके बाद उनका खेल कुछ धीमा हो गया। 2018 में उन्होंने कई महत्वपूर्ण मुकाबलों में जीत के मौके गंवाए। इसके अलावा चेस के दिग्गज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने भी उनके खेल पर सवाल उठाए थे। लेकिन गुकेश ने हार मानने के बजाय अपने खेल पर ध्यान केंद्रित किया और निरंतर अभ्यास किया।

सफलता की राह

गुकेश ने 2019 में महज 12 साल की उम्र में भारत के सबसे युवा ग्रैंडमास्टर बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। हालांकि, वह वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने से सिर्फ 17 दिन दूर रह गए। इसके बाद उन्होंने अक्टूबर 2022 में पांच बार के वर्ल्ड चेस चैंपियन मैग्नस कार्लसन को हराकर दुनिया को चौंका दिया। इस जीत के बाद गुकेश ने चेस की दुनिया में अपनी पकड़ मजबूत कर ली। 2023 में उन्होंने भारत के चेस मास्टर विश्वनाथन आनंद को पीछे छोड़ते हुए देश के टॉप रैंक चेस खिलाड़ी का दर्जा हासिल किया। और फिर 12 दिसंबर 2024 को उन्होंने डिंग लिरेन को हराकर सबसे युवा वर्ल्ड चेस चैंपियन बनने का रिकॉर्ड तोड़ा। यह उनकी कड़ी मेहनत और मानसिक दृढ़ता का परिणाम था।

परिवार और संघर्ष

गुकेश का जन्म चेन्नई में हुआ था। उनके पिता रजनीकांत एक नाक, कान, गला विशेषज्ञ हैं और उनकी मां माइक्रोबायोलॉजिस्ट हैं। हालांकि, उनका परिवार आर्थिक रूप से मजबूत नहीं था। उनके कोच ने बहुत कम उम्र में ही उनकी चेस प्रतिभा को पहचाना था। गुकेश को शुरू में क्रिकेट खेलने का शौक था, लेकिन बाद में उन्होंने चेस को चुना और अपना पूरा ध्यान उसी पर केंद्रित किया। चेस के टूर्नामेंट्स में भाग लेने के लिए लगातार यात्रा करनी पड़ती थी, जो न सिर्फ शारीरिक रूप से थकाऊ था, बल्कि इसमें खर्च भी बहुत आता था। परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए गुकेश के पिता ने 2018 में अपनी क्लीनिक बंद कर दी और गुकेश के चेस करियर को समर्थन देने के लिए अपने दोस्तों से पैसे उधार भी लिए। यह समय उनके जीवन का कठिन दौर था, लेकिन इस संघर्ष ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाया और उनके खेल में सुधार हुआ।

जल्द आ रही है मानव के दिमाग की तरह काम करने वाली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

नेशनल डेस्क. ओपन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सीईओ सैम आल्टमैन ने हाल ही में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक में प्रगति धीमी नहीं हो रही है और न ही यह बेहद महंगी है, जैसा कि कुछ लोग मानते हैं, जल्द ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक ऐसी विकसित होगी, जो मानव मस्तिष्क जैसे सभी काम कर सकेगी। चैटजीपीटी के लॉन्च के बाद से ओपन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने जबरदस्त सफलता हासिल की है और आज इसके हर हफ्ते 30 करोड़ से ज्यादा यूजर हैं। ओपन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का मूल्य 13 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है।

ओपन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एलोन मस्क के बीच संबंधों पर प्रतिक्रिया

ओपन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के को-फाउंडर रहे एलोन मस्क अब कंपनी के सबसे बड़े आलोचक बन गए हैं। मस्क ने ओपन,ढ्ढ पर आरोप लगाया है कि वह अपने अलाभकारी मिशन से दूर हट रहा है और अब मुनाफे के लिए काम कर रहा है। मस्क ने इस मुद्दे पर मुकदमा भी दायर किया है। इस पर सैम आल्टमैन ने कहा- मस्क से रिश्तों में बदलाव बहुत दुखद है। हमने ओपन एआई को एक साथ शुरू किया था और मुझे लगता था कि हम बाजार और तकनीकी प्रतिस्पर्धा करेंगे, न कि कानूनी रास्ते अपनाएंगे।अपने कारोबारी फायदे के लिए राजनीतिक शक्ति का इस्तेमाल अमेरिकी सोच के खिलाफ है और लोग इसे स्वीकार नहीं करेंगे। मुझे विश्वास है कि मस्क ऐसा नहीं करेंगे। माइक्रोसॉफ्ट ओपन का सबसे बड़ा निवेशक है, लेकिन अब दोनों कंपनियों के रिश्तों में तनाव देखने को मिल रहा है। आल्टमैन ने इस बारे में कहा- हमारे बीच चुनौतियाँ हैं। ओपन एआई को ज्यादा कंप्यूटिंग पावर और डेटा की आवश्यकता है, जिस कारण तनाव उत्पन्न हुआ है। हमारे कई प्रोडक्ट्स उन कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करते हैं, जो हमारी तकनीक पर निर्भर हैं। हालांकि, माइक्रोसॉफ्ट कई मामलों में हमारी मदद करता है।

हाल ही में कुछ न्यूज कंपनियों जैसे न्यूयॉर्क टाइम्स ने ओपन,ढ्ढ और माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ कॉपीराइट उल्लंघन का मुकदमा दायर किया है, क्योंकि इन कंपनियों का दावा है कि उनके कंटेंट का इस्तेमाल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल्स की ट्रेनिंग में किया गया है। इस पर आल्टमैन ने कहा- हमें एक नया समझौता करने की जरूरत है। एक मानक डील हो सकती है, ताकि जो सामग्री आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम को सिखाने में इस्तेमाल हो, उसका उचित उपयोग हो।

सुपरइंटेलिजेंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भविष्यवाणी

सैम आल्टमैन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के भविष्य के बारे में अपनी सोच साझा की। उनका कहना है कि हमारे दिमाग जैसा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जिसे आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस कहा जाता है, बहुत जल्दी आ सकता है। यह वो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस होगा जो हमारे दिमाग से भी ज्यादा स्मार्ट होगा। हालांकि, इसके विकास के साथ कुछ नौकरियों का खात्मा हो सकता है, लेकिन साथ ही सुपरइंटेलिजेंस का आगमन होगा, जिसकी क्षमता अविश्वसनीय होगी। यदि हम इसे सुरक्षित बनाते हैं, तो भी हमें अपनी सरकारों पर भरोसा करना होगा।

ओपन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का मुनाफे की ओर कदम

ओपन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने पहले एक नॉन-प्रॉफिट कंपनी के रूप में काम करना शुरू किया था, लेकिन अब वह इसे मुनाफा कमाने वाली कंपनी में बदलने की योजना बना रही है। इस पर सैम आल्टमैन ने कहा, मुझे कंपनी की इक्विटी में कोई दिलचस्पी नहीं है। अगर मुझे इसमें रुचि होती, तो मैं पहले ही कुछ इक्विटी ले सकता था। हालांकि, उनकी सैलरी अब 64 लाख रुपये से अधिक हो गई है और इस पर भी चर्चा जारी है कि वे भविष्य में ओपन एआई के निवेशकों के साथ कोई इक्विटी शेयर करेंगे या नहीं।

हम इस पर जितना कम बोलें उतना बेहतर

नेतन्याहू ने दोस्त ट्रंप से कहा-इजराइल का पूरी तरह जीतना जरूरी

इंटरनेशनल डेस्क। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन पर बातचीत की। इस बातचीत में गाजा संघर्ष, इजराइल की जीत, और बंधकों की रिहाई के प्रयासों पर चर्चा हुई। नेतन्याहू ने इसे दोस्ताना और महत्वपूर्ण बातचीत करार दिया। नेतन्याहू ने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो संदेश में कहा, हम बंधकों को सुरक्षित घर लाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। मैंने ट्रंप को बताया कि इजराइल को इस लड़ाई को खत्म करने और जीत हासिल करने के लिए क्या मदद चाहिए। हम इस पर जितना कम बोलें, उतना बेहतर होगा। भगवान की मदद से, हम इसमें जरूर सफल होंगे।

नेतन्याहू ने दावा किया कि इजराइल की मौजूदा कार्रवाई से पश्चिम एशिया का नक्शा बदल जाएगा। उन्होंने कहा, सीरिया, लेबनान, और गाजा अब पहले जैसे नहीं रहे। ईरान भी कमजोर हो चुका है। हम हिजबुल्ला को हथियारबंद होने नहीं देंगे। यह इजराइल की परीक्षा है, जिसे हमें हर हाल में पास करना होगा। 7 अक्टूबर 2023 को हमास के बड़े आतंकी हमले में 1,200 से ज्यादा इस्राइली नागरिक मारे गए और 250 लोगों को बंधक बना लिया गया था। इसका जवाब देते हुए इस्राइल ने गाजा पर हवाई और जमीनी हमले किए, जिसमें अब तक 45,000 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

हालांकि, अभी भी लगभग 100 लोग हमास की कैद में हैं, जिन्हें छुड़ाने के लिए इस्राइल लगातार प्रयास कर रहा है। इस्राइली हमलों से हमास का नेतृत्व लगभग खत्म हो गया है। सीरिया में सत्ता परिवर्तन के बाद से इजराइल वहां हवाई हमले कर रहा है। गोलन हाइट्स की खाली पोस्टों पर इस्राइली सेना ने कब्जा कर लिया है। इस्राइल ने साफ किया है कि वह सीरिया की आंतरिक राजनीति में हस्तक्षेप नहीं करेगा, लेकिन अगर ईरान या हिजबुल्ला को समर्थन मिला तो कड़ा जवाब दिया जाएगा। नेतन्याहू ने कहा, हम अपनी सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं करेंगे। यदि नई सरकार ने हमारे खिलाफ कोई कदम उठाया, तो इसके गंभीर परिणाम होंगे।

वेनिस में जेबकतर

`58 वर्षीय महिला ने पर्यटकों को जागरूक करने का उठाया बीड़ा

इंटरनेशनल डेस्क। वेनिस दुनिया भर में अपने खूबसूरत नहरों, गोंडोला राइड और ऐतिहासिक वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। हर साल हजारों पर्यटक इस शहर की सुंदरता का आनंद लेने आते हैं। हालांकि, वेनिस में एक और बड़ी समस्या है जो पर्यटकों के लिए परेशानी का कारण बनती है - वह है जेबकतरी। इस समस्या से न केवल पर्यटक बल्कि स्थानीय लोग भी परेशान हैं।

इस समस्या के खिलाफ एक 58 वर्षीय महिला मोनिका पोली ने पर्यटकों को सचेत करने का बीड़ा उठाया है। मोनिका जो पेरिस की निवासी हैं अब वेनिस में जेबकतरे से बचने के लिए पर्यटकों को चेतावनी देती हैं। उनका उद्देश्य शहर में बढ़ती जेबकतरी की घटनाओं के बारे में जागरूकता फैलाना है।

मोनिका की पहल

सूत्रों के अनुसार हाल ही में वेनिस के प्रसिद्ध रियाल्टो ब्रिज के पास जब मोनिका को लगा कि कुछ जेबकतरे भीड़ में सक्रिय हैं तो उन्होंने तुरंत अपनी आवाज़ उठाई। मोनिका ने अटेन्जियोन, पिकपॉकेट! (सावधान जेबकतरों से!) के शब्दों से लोगों को सचेत किया। वह इस चेतावनी को इतालवी, अंग्रेजी और स्पेनिश में जोर से चिल्लाती हैं ताकि अधिक से अधिक लोग इन चोरों से बच सकें। मोनिका की चेतावनी ने कई पर्यटकों को जेबकतरों से बचने में मदद की है। एक फ्रांसीसी पर्यटक ने उनकी तारीफ करते हुए कहा, मैं उनका धन्यवाद करता हूं क्योंकि जेबकतरों की समस्या बहुत गंभीर है और उन्होंने हमें सचेत किया। मोनिका स्वयंसेवी समूह सिट्टाडिनी नॉन डिस्ट्रेटी की सदस्य हैं जो वेनिस की सड़कों पर गश्त करते हैं और चोरों की पहचान करते हैं।

सोशल मीडिया पर पहचान

2023 में मोनिका की पहल ने सोशल मीडिया पर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने अपना पहला वीडियो ञ्जद्बद्मञ्जश्च्र पर साझा किया जो वायरल हो गया। उनके द्वारा दी गई चेतावनी को गानों में भी रीमिक्स किया गया है। अब मोनिका एक इंटरनेट सेलिब्रिटी बन गई हैं और उनकी आवाज़ ने पूरी दुनिया में लोगों का ध्यान खींचा है।

वेनिस में जेबकतरों की बढ़ती समस्या

वेनिस में जेबकतरों की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। सूत्रों के अनुसार इटली के आंतरिक मंत्रालय ने सितंबर 2024 में यह खुलासा किया कि पब्लिक ट्रांसपोर्ट में चोरी की घटनाओं में 2021 के बाद वृद्धि हुई है। खासकर 2023 में चोरी की घटनाओं की संख्या एक दशक में सबसे अधिक रही। वेनिस में ट्रेन चोरी की घटनाओं में 38.8% का इजाफा हुआ है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि वेनिस में सबसे यादा चोरी के शिकार विदेशी पर्यटक हुए हैं। वेनिस की मेट्रो में 94त्न ट्रेनों में 81त्न और बसों में 78त्न चोरी की घटनाएं हुई हैं। वहीं वेनिस की बढ़ती जेबकतरी की समस्या को देखते हुए मोनिका पोली जैसे लोग अपनी सक्रियता से इस समस्या का समाधान ढूंढने में मदद कर रहे हैं। मोनिका का प्रयास पर्यटकों को जेबकतरी से बचाने के लिए सराहनीय है और उनकी पहल को लगातार समर्थन मिल रहा है।

75 साल पुराने 20 पेड़ों को मिलेगी पेंशन

वन विभाग ने शुरू किया अभियान

नेशनल डेस्क. हरियाणा सरकार की प्राण वायु देवता योजना के तहत लंबे इंतजार के बाद अब पहले चरण में 20 पेड़ों को पेंशन देने की मंजूरी मिल गई है। इस योजना के अंतर्गत हर पेड़ को साल भर में 2,750 रुपए की पेंशन मिलेगी। यह योजना पर्यावरण को बढ़ावा देने और वृक्षों को संरक्षण देने के लिए शुरू की गई है।

योजना का उद्देश्य और पात्रता

इस योजना का लाभ उन पेड़ों को मिलेगा, जो 75 साल या उससे अधिक उम्र के हैं। खास बात यह है कि यदि कोई व्यक्ति अपनी ज़मीन पर 75 साल पुराना पेड़ उगाए हुए है, तो उसे यह पेंशन मिल सकेगी। वहीं यदि पेड़ पंचायती जमीन पर है, तो उसकी पेंशन उस पंचायत को मिलेगी। इस योजना के तहत पेड़ों की आयु का आकलन उनके तने के आकार के आधार पर किया जाता है। हरियाणा के चरखी दादरी जिले में 350 पेड़ 75 साल से अधिक उम्र के हैं। ये योजना उन पेड़ों के लिए लागू की जा रही है। वन विभाग ने अब तक इस योजना पर तेजी से काम शुरू कर दिया है और पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर पेंशन देने की प्रक्रिया चल रही है।

शर्तें और प्रक्रिया

इस योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए कुछ शर्तें पूरी करनी होती हैं। आवेदन के बाद वन विभाग की एक टीम मौके पर पहुंचकर पेड़ का निरीक्षण करती है और उसकी उम्र का निर्धारण करती है। यदि पेड़ की उम्र शर्तों के अनुसार सही पाई जाती है, तो पेंशन की प्रक्रिया शुरू की जाती है और मुख्यालय से स्वीकृति प्राप्त होती है। अब तक 20 पेड़ों को पेंशन देने की मंजूरी मिल चुकी है। यह प्रक्रिया धीरे-धीरे सभी योग्य पेड़ों के लिए लागू की जाएगी।

पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण

वन विभाग न केवल पेड़ों को पेंशन देने की प्रक्रिया में तेजी से काम कर रहा है, बल्कि पौधरोपण को बढ़ावा देने के लिए भी कदम उठा रहा है। हर ग्राम पंचायत के माध्यम से पौधरोपण अभियान चलाए जा रहे हैं और आम लोग भी इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं, जिले में कुल 167 ग्राम पंचायतें हैं, जहां पर पौधरोपण कराया जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569